■ श्रावण कृष्ण - 13 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 23 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 14-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 विदेश में फंसे उप्र के लोगों को लाएंगे वापस : योगी आदित्यनाथ

6 अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष बनाम सरकार

7 वैश्विक समस्याओं के समाधान में धार्मिक नेता दे सकते हैं अहम योगदान : लोकेश मुनि

भारत में बच्चों को मातृभाषा के साथ हिंदी भी सीखनी चाहिए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि वह अंग्रेजी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भारत में बच्चों को अपनी-अपनी मातृभाषाओं के साथ हिंदी भी सीखनी चाहिए। शाह ने इसके साथ ही देश की स्थानीय भाषाओं को संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वह यहां भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (आईआईटीई) के दीक्षांत समारोह के दौरान स्नातक छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने स्नातक छात्रों से संस्कृत भाषा, उपनिषदों और वेदों में उपलब्ध ज्ञान के भंडार का उपयोग करने का भी आग्रह किया। गृह मंत्री ने कहा कि वह अंग्रेजी के खिलाफ नहीं हैं, क्योंकि भारत एक ऐसा देश है, जो किसी भी प्रकार के ज्ञान का विरोध नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, ''सभी भारतीय भाषाओं को संरक्षित और संवर्धित करना आपकी जिम्मेदारी है, क्योंकि उनमें हमारी संस्कृति, इतिहास, साहित्य और व्याकरण समाहित है। हमें अपनी भाषा को मजबूत बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक महत्वपूर्ण पहलू बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाना है।''

■ **गृह मंत्री ने कहा कि वह अंग्रेजी के खिलाफ नहीं हैं, क्योंकि भारत एक ऐसा देश है, जो किसी भी प्रकार के ज्ञान का विरोध नहीं कर सकता।**

शाह ने कहा, ''मेरा मानना है कि बच्चों को अंग्रेजी के साथ-साथ फ्रेंच, जर्मन जैसी भाषाएं भी सीखनी चाहिए, लेकिन गुजरात के बच्चे को गुजराती और हिंदी दोनों सीखनी चाहिए, असमिया को असम की भाषा और हिंदी दोनों सीखनी चाहिए और तमिल को तमिल और हिंदी दोनों सीखनी चाहिए। अगर ऐसा होता है, तो फिर हमारे देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।''

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान स्थापित इस संस्थान (आईआईटीई) का उद्देश्य पूर्वी और पश्चिमी शैक्षिक दर्शन को एकजुट करना था। उन्होंने कहा, ''संस्कृत उन चार पेपर में से एक है, जो आपको पढ़ाए जाते हैं... मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आपने यहां संस्कृत का जो भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त किया है, उसमें संवर्धन करें। पूरी दुनिया में यदि कोई एक जगह है, जहां ज्ञान का भंडार एकत्र किया गया है, तो वह हमारे उपनिषद, वेद और संस्कृत हैं। एक बार जब आप इनका अध्ययन कर लेंगे, तो जीवन की कोई भी समस्या आपके लिए समस्या नहीं रहेगी।''

शाह ने कहा कि वेद सिखाते हैं कि अच्छे विचारों को यह सोचे बिना ग्रहण करना चाहिए कि ज्ञान कहां से आया है। उन्होंने कहा, ''हमें यह देखना चाहिए कि ज्ञान समाज, लोगों, दुनिया और ब्रह्मांड के लाभ के लिए है या नहीं, इसकी परवाह किए बिना कि वह कहां से आया है।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे प्राचीन भारतीय शैक्षिक दर्शन को आधुनिक आयाम से जोड़ना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में कई बदलाव हुए हैं और हमें बदलावों को समझना चाहिए और दोनों को एकीकृत करके एक संपूर्ण शिक्षा प्रणाली बनानी चाहिए।

सोशल मीडिया डीपी में तिरंगे की तस्वीर लगाने की प्रधानमंत्री मोदी ने की अपील

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाने का आग्रह किया। मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की डीपी में भी राष्ट्रीय ध्वज की तस्वीर लगाई है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को लोगों से 13 से 15 अगस्त के बीच 'हर घर तिरंगा' आंदोलन में हिस्सा लेने का आह्वान किया था। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, हर घर तिरंगा आंदोलन की भावना के साथ आइए हम अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की डीपी को बदलें और इस अनूठे प्रयास को समर्थन दें जो हमारे प्यारे देश और हमारे बीच के बंधन को गहरा करेगा।

पीएफआई साजिश मामले में

एनआईए ने पांच राज्यों में छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लोगों के बीच सांप्रदायिक भावना पैदा कर शांति भंग करने और देश को अस्थिर करने की 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) की साजिश को नाकाम करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत रविवार को पांच राज्यों में छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

संघीय एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार में 14 स्थानों की तलाशी ली गई, जिसमें कई डिजिटल उपकरणों के साथ-साथ आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए। उन्होंने कहा कि एनआईए ने केरल के कन्नूर और मालप्पुरम जिलों, कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़, महाराष्ट्र के नासिक और कोल्हापुर, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और बिहार के कटिहार में छापेमारी की।

प्रवक्ता ने कहा, एनआईए आतंक, हिंसा और तोड़फोड़ की गतिविधि के माध्यम से 2047 तक भारत में इस्लामी शासन स्थापित करने के लिए एक सशस्त्र कैडर बनाने के पीएफआई और उसके शीर्ष नेतृत्व के प्रयासों को उजागर करने और विफल करने के लिए काम कर रहा है।

जम्मू कश्मीर के युवा 'तिरंगे' से प्यार करते हैं : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्रीनगर में एक विशाल 'तिरंगा' रैली में हिस्सा लिया और कहा कि केंद्र-शासित प्रदेश के युवा राष्ट्रीय ध्वज से प्यार करते हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के तौर पर आयोजित रैली में सिन्हा ने प्रत्यक्ष तौर पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग दावा करते थे कि जम्मू-कश्मीर में तिरंगा उठाने के लिये कोई नहीं बचेगा, उन्हें इस रैली में लोगों की भीड़ देखनी चाहिए। उन्होंने कहा, वे, जो कहते थे कि जम्मू-कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं बचेगा, उन्हें समझ आ गया होगा कि जम्मू-कश्मीर का हर युवा राष्ट्रीय ध्वज को उतना ही प्यार करता है, जितना देश के किसी अन्य हिस्से के लोग।

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा था कि अगर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द किया गया तो यहां राष्ट्रीय ध्वज उठाने वाला कोई नहीं बचेगा। उन्होंने कहा, आज पूरे देश में जम्मू-कश्मीर के लोगों की सराहना की जा रही है। चूंकि हम लोगों को एकजुट कर रहे हैं और विकास को गरीबों और वंचितों तक पहुंचा रहे हैं, इसलिये कुछ लोग इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे। सिन्हा ने कहा, एक समय था जब कश्मीर के युवाओं को गुमराह किया गया था लेकिन आज वे राष्ट्र और जम्मू-कश्मीर के निर्माण में योगदान दे रहे हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है...।

ममता के शासन में पिछड़ रहा है बंगाल

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल एक समय देश के पुनर्जागरण का पालना था लेकिन अब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के ''कुशासन'' की वजह से पिछड़ रहा है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज्य में ''जंगल राज'' स्थापित करने को लेकर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि उन्हें देशभर में ''लोकतंत्र के चैंपियन'' के तौर पर व्यवहार करना बंद कर देना चाहिए।

यहां आयोजित पार्टी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, ''पश्चिम बंगाल एक समय पूरे देश के लिए पुनर्जागरण का पालना था। यह बंगाल ही था जो पूरे देश को रास्ता दिखाता था लेकिन गत कुछ दशकों से बंगाल पिछड़ रहा है। वाम शासन के वर्षों के कुशासन के बाद तृणमूल का कुशासन आया। आज बंगाल महिलाओं के खिलाफ अपराध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी में शीर्ष पर है।''

राष्ट्रपति ने किया राज्यसभा का सत्रावसान

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राज्यसभा के मानसून सत्र का सत्रावसान कर दिया है। राष्ट्रपति सचिवालय से रविवार को जारी वक्तव्य में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने राज्यसभा का सत्रावसान कर दिया है। उल्लेखनीय है कि गत 20 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के समापन के बाद 11 अगस्त को सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी।

पंजाब पुलिस ने आतंकी 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। स्वतंत्रता दिवस से पहले पंजाब पुलिस ने तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर और उनके पास से तीन पिस्तौल जब्त कर एक आतंकी 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है वे चेक गणराज्य में रह रहे गुरदेव सिंह नाम के व्यक्ति के साथी हैं। गुरदेव कनाडा में रह रहे आतंकवादी लखबीर सिंह का करीबी है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, पंजाब पुलिस ने खुफिया शाखा और तरणतारण पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है तथा चेक गणराज्य में रह रहे गुरदेव सिंह के साथियों को गिरफ्तार किया है। गुरदेव कनाडा में रह रहे लखबीर सिंह और सतबीर सिंह का करीबी है। सरहाली थाने पर आरपीजी हमले तथा पंजाब में लक्षित हत्याओं की साजिश रचने में लखबीर सिह और सतबीर सिंह का हाथ है।

पुलिस महानिदेशक ने कहा, प्राथमिक जांच के दौरान आरोपियों ने पंजाब में शांति व सद्भाव बिगाड़ने की एक साजिश का खुलासा किया।

ठाणे के सरकारी अस्पताल में 24 घंटे के दौरान 18 मरीजों की मौत, जांच समिति गठित

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे शहर के कलवा में नगर निकाय द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में पिछले 24 घंटों में 18 मरीजों की मौत हो गई। निगमायुक्त अभिजीत बांगर ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने मौतों को हृदय विदारक बताया और कहा कि हाल में एक ही दिन में अस्पताल में पांच लोगों की मौत के बावजूद प्रशासन नहीं जागा।

बांगर ने बताया कि मृतकों में 10 महिलाएं और आठ पुरुष शामिल हैं, जिनमें से छह ठाणे शहर से, चार कल्याण से, तीन शाहपुर से, एक-एक भिवंडी, उल्हासनगर और गोवंडी (मुंबई में) से थे, जबकि एक मरीज किसी अन्य जगह से और एक अज्ञात था। आयुक्त ने कहा कि मृतक मरीजों में से 12 की उम्र 50 वर्ष से अधिक थी।

इससे पहले, दिन में महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत और स्थानीय पुलिस उपायुक्त गणेश गावड़े ने छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में पिछले 24 घंटों में 17 मरीजों की मौत होने की जानकारी दी थी।

बांगर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्थिति के बारे में जानकारी ली और एक स्वतंत्र जांच समिति के गठन का आदेश दिया, जिसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य सेवा आयुक्त करेंगे।

हिमाचल में बारिश से जनजीवन प्रभावित, भूस्खलन से 452 सड़कें बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/वार्ता। हिमाचल प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। राज्य भर में व्यापक बारिश का दौर जारी है। इससे विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन होने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार सुबह तक राज्य भर में भूस्खलन से दो राष्ट्रीय राजमार्ग और 452 सड़कें बंद हैं।

इसके अलावा 1814 बिजली ट्रांसफार्मर और 59 जलापूर्ति योजनाएं भी ठप हैं। मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। इस जिला में 236 सड़कें और 1335 बिजली ट्रांसफार्मर बंद पड़े हैं। शिमला में 59, बिलासपुर में 40, कुल्लू में 39, हमीरपुर में 28 और सोलन में 21 सड़कें अवरुद्ध हैं। हमीरपुर में 445 ट्रांसफार्मर खराब होने से कई गांवों में बिजली गुल है। भूस्खलन से मंडी जिला में मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे-21 और सोलन जिला में कालका-शिमला नेशनल हाईवे पर वाहनों की आवाजाही ठप है।

शिमला जिला में रात भर हुई भारी वर्षा से जगह-जगह भूस्खलन और पेड़ों के धराशायी होने की घटनाएं सामने आने से लोग परेशान हुए। शिमला के दुधली में रविवार सुबह सड़क किनारे पार्क तीन गाड़ियां भूस्खलन की चपेट में आ गई। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस के मुताबिक भूस्खलन से तीन गाड़ियां दब गई है। इन्हें जेसीबी व क्रेन की मदद से निकाला जा रहा है। इसके अलावा मण्डी से शिमला सवारियाँ लेकर आई एक निजी बस पेड़ की चपेट में आ गई। टूटीकंडी के पास एक विशालकाय पेड बस पर गिरा जिससे बस को नुक्सान हुआ है तथा परिचालक को चोट लगी। परिचालक को अस्पताल में दाखिल किया गया है।

इधर, रविवार सुबह करीब साढ़े छह बजे शिमला-बिलासपुर सड़क मार्ग पर वर्षा शालिका से आगे हीरानगर के बीच एक देवदार का पेड़ गिरने से नेशनल हाइवे लगभग अढ़ाई घण्टे अवरुद्ध हुआ। इसके चलते शिमला का सम्पर्क निचले हिमाचल से कट गया था। हालांकि प्रशासन ने तुरंत सड़क से पेड़ को हटाने का काम शुरू किया और नौ बजे हाइवे को बहाल कर दिया।

इसी तरह हिमलैंड् के पास सुबह-सुबह भूस्खलन हुआ है। जिससे छोटा शिमला और बीसीएस, कसुम्पटी की ओर जाने वाली सड़कें बन्द हो गई है। कैंथू लाईन शिमला की ओर जाने वाली सड़क पर एआरओ ओफिस के साथ सीपीडब्ल्यूडी की बिल्डिंग के आंगन से ढंगा धंसने के कारण सड़क मार्ग बंद हो गई है। इस जगह देवदार के दो पेड़ गिरने के कगार पर हैं।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिन राज्य में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मैदानी एवं मध्यपर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। विभाग ने शिमला सहित आठ जिलों में बाढ़ आने की आशंका भी जताई है। 17 अगस्त तक राज्य भर में मौसम खराब रहेगा। हिमाचल पुलिस ने खराब मौसम के मद्देनजर एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों व सैलानियों से एहतियात बरतने की अपील की है। पर्यटकों को नदी-नालों के किनारों पर न जाने और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की यात्रा न करने की सलाह दी गई है।

रविवार सुबह 8:30 बजे तक सुंदरनगर में सबसे ज्यादा 166 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। इसके अलावा मंडी में 115, बरठी में 83, पालमपुर में 67, बिलासपुर में 60, जुब्बड़हट्टी में 50 और शिमला में 45 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड हुई है।

फर्स्ट टेक

जातिवादी टिप्पणी, कन्नड अभिनेता उपेन्द्र के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/भाषा। कन्नड के लोकप्रिय अभिनेता उपेन्द्र के खिलाफ एक विशेष समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाली कथित जातिवादी टिप्पणी के लिए अत्याचार का मामला दर्ज किया गया है। अभिनेता से नेता बने उपेन्द्र ने शनिवार को अपने राजनीतिक संगठन 'प्रजाकीया' की वर्षगांठ के अवसर पर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर संबोधन के दौरान ये टिप्पणी की थीं। पुलिस ने बताया कि उन्हें रविवार को अभिनेता की टिप्पणियों के संबंध में शिकायतें मिली थीं। उपेन्द्र ने शनिवार को ही सोशल मीडिया से लाइव वीडियो हटा दिया था और माफी भी मांगी थी। पुलिस उपायुक्त बेंगलुरु (दक्षिण) पी कृष्णकांत ने बताया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तुर्की ने स्वदेशी परीक्षण रॉकेट को अंतरिक्ष में किया प्रक्षेपित

अंकारा/वार्ता। तुर्की ने स्वदेश में निर्मित परीक्षण रॉकेट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया है। तुर्की अंतरिक्ष एजेंसी ने जानकारी दी है। अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, अंतरिक्ष तक पहुंचने के हमारे देश के प्रयासों के तहत, घरेलू और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकियों से विकसित परीक्षण रॉकेट को इग्रेडा से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। इस रॉकेट को प्रमुख तुर्की हथियार और मिसाइल निर्माता रोकेटसन द्वारा विकसित किया गया है। तुर्की अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि रॉकेट का इच्छित लक्ष्य 550 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंच रहा है।

डेर अल-ज़ौर में बस हमले के लिए अमेरिकी सेना ज़िम्मेदार : सीरिया

दमिश्क/वार्ता। सीरिया ने कहा है कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) द्वारा डेर अल-ज़ौर में उसकी सैन्य बस पर किये गए हमले के लिए अमेरिका दोषी है। इस हमले में सीरिया के 33 सैनिक मारे गए थे। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने शनिवार रात जारी एक बयान में कहा कि यह हमला सीरिया की संप्रभुता और स्वतंत्रता के खिलाफ चल रहे अमेरिकी अभियान का एक हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका सीरिया को अस्थिर करने के लिए आईएस का समर्थन कर रहा है। मंत्रालय ने हमले और सीरिया के तेल और कृषि संसाधनों के निरंतर अमेरिकी दोहन का भी उल्लेख किया। बयान के अनुसार यह आर्थिक दबाव अमेरिकी कब्जे को बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा को अस्थिर करने में मदद करता है।

14-08-2023 सूर्यास्त 6:41 बजे	15-08-2023 सूर्योदय 6:07 बजे
BSE 65,322.65 (-365.53)	NSE 19,428.30 (-114.80)
सोना 6,183 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 72,247 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

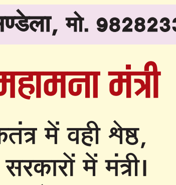

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

महामना मंत्री

है लोकतंत्र में वही श्रेष्ठ,
जो हो सरकारों में मंत्री।
जिसके आगे नतमस्तक सब,
चाहे हो अफसर या संत्री।
है शिखर पुरुष वो महामना,
आदर देते सब गणतंत्री।
जनता ना करती माफ उसे,
हो अगर भ्रष्ट या षड़यंत्री।।

ईआईएमआर में होगी आगामी 'चार पे चर्चा' बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेबीएन ट्रेंडसेटर्स लीडर्स की अगली बैठक एड्यूसेस्टा इंस्टिट्यूट फ़ोर मेनेजमेंट एंड रीसर्च (ईआईएमआर) में आगामी 15 अगस्त को होगी, जिसमें बंगलौर के पांचों चेप्टर्स के 150 सदस्य भाग लेंगे। व्यावसायिक नेटवर्किंग के मकसद से जीतो बिजनेस नेटवर्क (जेबीएन) द्वारा संचालित इस पहल को और भी दिलचस्प और प्रभावशाली बनाने के लिए इस बार 'चार पे चर्चा' की थीम दी गई है। गत दिनों शहर में जीतो बेंगलूरु साऊथ के जेबीएन ट्रेंडसेटर् लीडर्स की बैठक में 37 सदस्यों ने भाग लिया था , जिसमें 76 रेफ़ेरल्स पास हुए, एक नए सदस्य शामिल हुए और पांच विसिटर्स ने इसमें शिरकत की थी। इसमें एक विशेष आयोजन के तौर पर सदस्यों को तीस सैकेंड में परिचय देने का अवसर दिया गया। बैठक में आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। ईआईएमआर संस्थान में प्रस्तावित आगामी मीटिंग के बारे में निर्णय लिया गया। सदस्यों के बीच आपसी राबदा और भी सुचारू करने के उद्देश्य से 'चार पे चर्चा' का विचार किया गया। जिसमें चार सदस्यों का ग्रुप बनेगा। अपने अपने कारोबार के बारे में जानकारी देने और आपसी नेटवर्किंग की नवीन संभावाएं सशक्त करने का बेहतर अवसर मिलेगा।

जेबीएन की इस पहल का उद्देश्य व्यावसायिकों को अपने कारोबार के विस्तार व विकास के लिए नए आयाम तराशना है। खासकर के आपसी सहयोग ने अपने व अपने साथी सदस्यों के कारोबार को अधिक सफल बनाने का प्रयास करना है।

अनंत सुख और अनंत शक्ति हमारे भीतर है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के जयनगर के श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ में 'पिंजरे के पंछी' नामक गीत संगीत का भावात्मक आयोजन में साध्वी श्री संस्कार निधिश्रीजी म. सा. ने कहा कि हाथी को अंकुश का, घोड़े को लगाम का, सर्प को टोकरी का, कैदी को जेल का, पंछी को पिंजरे का बंधन है तो आत्मा को कर्मों का बंधन है। कर्मों की गुलामी के कारण आत्मा का अनंत गुणमय स्वरूप आच्छादित है। संपूर्ण ज्ञान दर्शन अनंत सुख और अनंत शक्ति हमारे भीतर है लेकिन कर्मों की परतंत्रता के कारण हम दुख, दुर्दशा, अज्ञान के शिकार बने हैं। निर्मल विचार मधुर वाणी एवं सौजन्य से व्यवहार के द्वारा हम स्वयं को अशुभ कर्मों के बंधन से बचाएं तो हम सिद्ध स्वरूप के मुक्त गगन में वितरण कर सकते हैं।

मधुर वक्ता मीठा लाल पावेचा ने कार्यक्रम का संचालन किया। जिन भक्ति मंडल के युवा कलाकारों ने मधुर संगीत से समा बांध दिया। धर्मनाथ जैन धार्मिक पाठशाला के बच्चों ने नाटिका की प्रस्तुत दी।

बसवनगुडी दादावाड़ी में पर्युषण महापर्व की सुंदर आराधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां बसवनगुड़ी के श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मास कर रही साध्वी सुलोचनाश्रीजी म. सा. ने पर्युषण महापर्व के प्रथम दिन अष्टान्हिका प्रवचन देते हुए कहा कि हमें पर्युषण महापर्व के इन 8 दिनों में छोटी से छोटी हिंसा की भी जयणा पूर्वक पालन करना है। इन महापर्व के दिनों में नंदीश्वर द्वीप पर सभी इन्द्र इंद्राणी हर्षोल्लास से महोत्सव मनाते हैं। पर्यूषण पर्व, जैन समाज का एक महत्वपूर्ण पर्व है। श्वेताम्बर संप्रदाय के पर्यूषण 8 दिन चलते हैं। आठवें दिन जैन धर्म के लोगों का महत्वपूर्ण त्यौहार संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन यथा शक्ति उपवास रखा जाता है। पर्यूषण पर्व कि समाप्ति पर क्षमायाचना पर्व मनाया जाता है। ट्रस्ट मंडल द्वारा महापर्व के प्रथम दिन प्रातः काल में राई प्रतिक्रमण, बाद में पाठशाला के अभ्यासकों द्वारा स्नात्र पूजा महोत्सव और उसके बाद मंगल प्रवचन में परमात्मा और दादा गुरुदेव के 6 माह के अष्ट प्रकारी पूजा के चढ़ावे भी बोले गए जिसमें संघ के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, दोपहर में जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल द्वारा पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजा पढ़ाई गई। सायंकालीन देवसिक प्रतिक्रमण के पश्चात श्री जिन कुशल सूरी महिला जैन संगीत मंडल द्वारा परमात्मा की सुंदर भक्ति भावना रचाई गई। सोमवार को सकल संघ के साथ कल्पसूत्रजी लाभचन्द दीपेश कुमार मेहता परिवार के निवास पर जाएंगे।

आठ दिनों की आराधना से वर्ष भर की कमाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां मागड़ी रोड के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी म. सा., साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्रीजी, साध्वीश्री प्रियवर्षांजनाश्रीजी म. सा. की निश्रा में खरतरगच्छ मान्यता अनुसार पर्वाधिराज पर्युषण महापूर्व की आराधना रविवार से प्रारंभ हुई। साध्वीश्री प्रियश्रेयान्जनाश्री जी ने कहा कि भारत कृषि प्रधान, त्योहार प्रधान, और पर्व प्रधान देश है। पर्व के आने से जनमानस की प्रवृत्ति बदल जाती है। पर्व दो प्रकार के होते हैं लौकिक और लोकोत्तर। लौकिक पर्व में मौज मस्ती, शौक करना, मिठाई खाना, खिलाना होता है, वहीं लोकोत्तर पर्व में सभी का त्याग कर त्याग प्रवृत्ति, आराधना, साधना की जाती है। लोकोत्तर पर्व की साधना तो लोक के अग्रभाग पर पहुंचने का माध्यम है। लोकोत्तर पर्व में श्रेष्ठ पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व है। जहां पाप का रग-रग से, रोम-रोम से वमन कर दें उसका नाम पर्व है। तीर्थ यात्रा जाना हो तो चल के जाना पड़ता है, पर पर्व हमारे सामने स्वयं चलकर हमारे द्वार आता है। कर्म 8 है, पर्युषण के दिन आठ हैं। वैसे ही आठवें नंदीश्वर द्वीप में देव-देवी मिलकर इस समय अठाई महोत्सव करते हैं। बच्चा परीक्षा देने के लिए आठ दिन की मेहनत करें तो पास हो सकता है। उसका साल बेकार नहीं जाता है। वैसे ही पर्व के आठ दिन की आराधना सही ढंग से करेंगे तो अपना साल बेकार नहीं जाएगा, व्यर्थ नहीं जाएगा। पूजा करने से परमात्मा को स्पर्श करने का अवसर मिलता है और वहां के अच्छे परमाणु हमें प्राप्त होते हैं।

पूज्य बनने के लिए पूज्य की पूजा की जाती है। हमें 8 दिन की क्रिया जयणा पूर्वक करनी चाहिए। पर्व की आराधना पाप प्रवृत्ति के त्याग के लिए और पुण्य बढ़ाने के लिए करनी चाहिए। हमें पाप मजबूरी में करना चाहिए लेकिन आराधना मंजूरी से करनी चाहिए। गुरुवर्या श्री ने पर्युषण पर्व के 5 कर्तव्य अमारी प्रवर्तन, साधर्मी भक्ति, अट्ठम तप, क्षमापना और चैत्य परिपाटी का वर्णन किया।

'अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसमें रम जाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। यहां सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में आयोजित हृदयस्पर्शी रविवारीय शिविर में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि भगवान महावीर जैसे तीर्थक और कई कई अवतारी महापुरुष इस धरती पर आए और अपना उद्देश्य पूरा किया। आज प्रभु आप भी यहां आए है, अपना उद्देश्य पूरा करने के लिए। आप का उद्देश्य है, यहाँ सुनने का और मेरा उद्देश्य सुनाने का। हमें अवतारी पुरुषों से सीख लेनी चाहिए कि उन्होंने जिस उद्देश्य से जन्म लिया और उद्देश्य को पूरा किया उस तरह से हम भी करें। प्रभु महावीर ने खबर पर हित का सुख, परम सुख प्राप्ति का उद्देश्य पूरा किया। उनके चरण कमल ही अपने आप में कमाल के थे। जंगल में रखें तो चंडकौशिक सर्प पावन गया। चंदना के द्वार पर रखे तो चंदना-पहली साध्वी बनी। सुलसा के आंगन में रखें तो वो खुद तीर्थंकर बनने का सौभाग्य गयी। हमारे उद्देश्यों का आधार हम खुद है उन्हें पूरा करने का रस्ता हमारा अपना होना चाहिए। हम सिर्फ उद्देश्यों के बारे में सोचते ही न रहे किन्तु उन्हे पूरा करने की पूरी कोशिश भी करें। इससे हमें अपने जीवन में आपको और हमको आत्मसंतोष की तृप्ति होगी। उद्देश्य पूरे करने की संभावना हर व्यक्ति में है और वो कर भी सकता है। बसरते वह उस धुन में लग जाए। उसी के गीत गुनगनाये और उसमें रम जाए।

विजयनगर में चित्त समाधि कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के विजयनगर स्थित तेरापंथ भवन में आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य श्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में 'जीएं चित्त समाधि के साथ' विषयक कार्यशाला का आयोजन विजयनगर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा द्वारा किया गया।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि चित्त समाधि का एक अर्थ है शांति का सुख। दूसरा अर्थ है अपनी समस्याओं का अपने द्वारा समाधान। भले वो समस्याएं बाहर के जीवन की हो या भीतर के जीवन की। जो सुखी और सफल जीवन जीना चाहता है उसे चित्त समाधि का विकास करना चाहिए। जो समाधिस्थ होता है, वह अपने जीवन में निर्दन्द्र रहता हुआ स्वयं शांति से जीता है और दूसरों की शांति का सतत ध्यान रखता है। आध्यात्मिक साधना में समाधि का महत्त्व सर्वविदित हैं। उसके बिना अन्य सारे अनुष्ठान निष्फल हो जाते हैं। सामाजिक जीवन भी उसके बिना सुखद नहीं हो सकता। मुनि श्री ने आगे कहा, संयम, समता, सहजता, शांति आदि अध्यात्म के आदर्शो का आलम्बन लेकर हम चित्त समाधि के साथ जी सकते हैं।

मुनिश्री काव्य कुमारजी ने चित्त समाधि में जीने कोल मानसिक हिंसा से बचने की, ज्ञान के अनुरूप आवश्य करने की एवं सहनशीलता का विकास करने पर बन दिया। कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा रक्षा बँधन कार्यशाला के बैनर का अनावरण किया गया। परिषद के मंत्री कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल की मंत्री आशा कोठारी ने सूचनाएं दी।

धर्म का साधन है शरीर : विनयमुनि 'खींचन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां रविवार को जिगनी के एम व्यासा योगा केन्द्र के प्रशांत कुटीरम 'रमण कृपा' में चातुर्मासार्थ विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि जैन धर्म आत्म प्रधान धर्म है। जीव में से आत्मा को यदि निकाल दें तो सब शून्य हो जाता है।

अनंत जीव जो आत्म दृष्टिप्रधान रखते थे, वे मुक्ति पधार गए। बाह्य दृष्टि प्रधान जीवों को भी आत्म दृष्टि बने बिना मुक्ति संभव ही नहीं है। शरीर माध्यमं खलु धर्म साधनं है।

उसको हम जितना तपा सके, उससे भी ज्यादा शरीर में रहे 'सूक्ष्म' मन को तपाना। असंख्यात गुणा महा मुश्किल है। 'धर्म का साधन है शरीर।' सत्य है परन्तु यह भी उतना ही परम सत्य है कि आभ्यन्तर तपो को करना शरीर से होने वाली तपस्या से भी महा मुश्किल है। शरीर के द्वारा उपवासादि के साथ साथ छह आभ्यन्तर तपस्या में आए बिना उत्कृष्ट निर्जरा नहीं हो सकती है। प्रायश्चित, विनय, वैय्यावच्च, स्वाध्याय, ध्यान और व्युत्सर्ग ये छह आभ्यन्तर तपस्या कहलाती है। बाह्यतपों से कर्मक्षय होते है, सत्य है। प्रवचन में मागड़ी रोड से तेजराज बांठिया परिवार और 'मोक्ष द्वार ज्ञान पत्रिका' के सम्पादक गौतमचन्द ओस्तवाल एवं रवि अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर के लोगों की नौकरी, भूमि अधिकार सुरक्षित रखने के लिए संघर्ष जारी रखेगी डीपीएपी : आजाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर के लोगों की नौकरियों और जमीन पर अधिकार सुरक्षित करने की राजनीतिक लड़ाई जारी रखेगी। पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर अगले विधानसभा चुनाव में डीपीएपी जीत दर्ज करती है और सरकार बनाती है तो वह विकास और भ्रष्टाचार मुक्त शासन पर ध्यान केंद्रित करेगी। आजाद ने कहा, जम्मू-कश्मीर लौटने का मेरा उद्देश्य आम लोगों की सामाजिक-राजनीतिक मुक्ति से जुड़ा है। हम स्थानीय लोगों के लिए नौकरियां और भूमि अधिकार सुरक्षित करने के लिए अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखेंगे।

अजित और शरद पवार के बीच क्या बातचीत हुई, इसकी जानकारी नहीं : जयंत पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार और पार्टी के बागी गुट का नेतृत्व कर रहे अजित पवार के बीच पुणे में गोपनीय बैठक से महाराष्ट्र में बढ़ी राजनीतिक सरगर्मियों के बीच राकांपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने रविवार को कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि पार्टी संस्थापक और उनके भतीजे के बीच क्या बातचीत हुई।

पाटिल ने यह भी कहा कि यह कोई गोपनीय बैठक नहीं थी। राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्हें इस प्रकार की बैठक की कोई जानकारी नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने संवाददाताओं से कहा, मैं आपको कोई जानकारी नहीं दे सकता। ऐसा माना जा रहा है कि शरद पवार और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को पुणे में एक कारोबारी के आवास पर मुलाकात की थी। क्षेत्रीय समाचार चैनल द्वारा प्रसारित दृश्यों में शरद पवार शनिवार अपराह्न करीब एक बजे कोरेगांव पार्क क्षेत्र में कारोबारी के आवास पर पहुंचते दिखे। शाम करीब पांच बजे शरद पवार वहां से चले गये। इसके लगभग दो घंटे के बाद अजित पवार को शाम पौने सात बजे कैमरे से बचने की कोशिश करते हुए एक कार में परिसर से बाहर निकलते देखा गया। जयंत पाटिल ने रविवार को कहा कि यह कोई गोपनीय बैठक नहीं थी। उन्होंने कहा, मैं पवार साहब के साथ एक परिचित के यहां गया और जल्दी निकल गया। बाद में क्या हुआ, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

छत्तीसगढ़ में जीत के प्रति आश्वस्त हूं, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को समर्थन दें : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जांजगीर/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भरोसा जताया कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जीत हासिल करेगी और लोगों से संविधान एवं लोकतंत्र को बचाने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी को समर्थन करने का आग्रह किया।

खरगे यहां राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम भरोसे का सम्मेलन में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और सत्ता पक्ष के नेता मौजूद थे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला केंद्र लोगों को तबाह करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन लोगों को सतर्क रहना चाहिए और अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता में लाना चाहिए। हम छत्तीसगढ़ (विधानसभा चुनाव) में पार्टी की जीत के प्रति आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा, हम संविधान और लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं। इसलिए हमें पूरे देश में काम करना होगा।

खरगे ने संसद में भाषण के दौरान मणिपुर मुद्दे पर राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता गांधी और 'इंडिया' के नेताओं के सवालों का जवाब नहीं दिया। अपने भाषण के दौरान कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहराते रहे और नेताओं का मजाक उड़ाते रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर देश और समाज को बांटने का काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी लगातार यह पूछते रहते हैं कि कांग्रेस ने 70 वर्षों में क्या किया। उन्होंने कहा, राजीव गांधी के बाद गांधी परिवार का कोई भी सदस्य प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री नहीं बना। गांधी परिवार ने कभी सत्ता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी क्योंकि वे सिर्फ देश की सेवा करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2014 में संसद की सीढ़ियों पर झुकने और प्रणाम करने को नाटक करार देते हुये कांग्रेस प्रमुख ने कहा, यह सब सिर्फ नाटक था। मोदी नाटक कंपनी में शामिल होने के बजाए संसद में आ गए हैं।

देश के 235 केंद्रीय विद्यालयों के पास स्थायी भवन नहीं

नई दिल्ली/भाषा। देश में 235 केंद्रीय विद्यालयों के पास स्थायी भवन नहीं हैं और वे अस्थायी भवनों में काम कर रहे हैं। संसदीय समिति की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने संसदीय समिति को बताया कि 235 केंद्रीय विद्यालय प्रायोजक एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराए गए अस्थायी आवास में कार्य कर रहे हैं। देश में कुल 1,253 केंद्रीय विद्यालय हैं। संसद के दोनों सदनों में आठ अगस्त को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद विवेक ठाकुर की अध्यक्षता वाली शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी स्थायी समिति की 'सरकार द्वारा की गई कार्रवाई रिपोर्ट' पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार, इन 235 केंद्रीय विद्यालयों में 107 को भूमि स्थानांतरित कर दी गई है और वहां निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

रेहड़ी-पटरी वालों को ऋण देने की योजना पर मिलकर काम करें बैंक, नगर निकाय : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय मंत्री भागवत के. कराड ने बैंकों और नागरिक निकायों से रेहड़ी पटरी वालों को आसानी से ऋण मुहैया कराने के लिए शुरू की गई 'पीएम स्वनिधि योजना' के लक्ष्य हासिल करने के लिए मिलकर काम करने को कहा है। कराड ने बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में योजना के क्रियान्वयन के आकलन के लिए शनिवार को एक क्षेत्रीय स्तर की बैठक की अध्यक्षता की।

एक बयान में बताया गया कि कराड ने इस बैठक में नगर निकायों से बैंकों द्वारा लौटाए गए आवेदनों की समीक्षा करने और उनमें आवश्यक सुधार करने के बाद उन्हें फिर से बैंक में जमा कराने को कहा।

इसमें कहा गया कि वित्त राज्य मंत्री ने नगर निकायों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्य हासिल करने के लिए नए आवेदनों को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। बयान के अनुसार, कराड ने शहरी स्थानीय निकायों से नवोन्मेषी रणनीतियों के जरिए अपने प्रयास तेज करने की अपील की ताकि रेहड़ी पटरी वालों को डिजिटल माध्यमों से जोड़ा जा सके। बैठक में राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों, नगर निगम आयुक्तों एवं राज्य स्तरीय बैंकर समितियों (एसएलबीसी) के संयोजकों और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

भाजपा के साथ नहीं जाएगी राकांपा, हालांकि कुछ शुभचिंतक मुझे मनाने का प्रयास कर रहे हैं : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ नहीं जाएगी, हालांकि कुछ शुभचिंतक उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के सांगोला में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि भाजपा के साथ कोई भी जुड़ाव राकांपा की राजनीतिक नीति में फिट नहीं बैठता है। उन्होंने कहा, राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में, मैं यह स्पष्ट कर रहा हूं कि मेरी पार्टी (राकांपा) भाजपा के साथ नहीं जाएगी। भाजपा के साथ कोई भी जुड़ाव राकांपा की राजनीतिक नीति में फिट नहीं बैठता है। पवार ने कहा कुछ शुभचिंतक उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह कभी भी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। शरद पवार ने बिना नाम लिए कहा, हममें से कुछ (अजित पवार के नेतृत्व वाला राकांपा समूह) ने अलग रुख अपनाया है। हमारे कुछ शुभचिंतक यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या हमारे रुख में कोई बदलाव हो सकता है। यही कारण है कि वे हमसे सौहार्दपूर्ण चर्चा करने की कोशिश कर रहे हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल अपने भतीजे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ शनिवार को पुणे में उनकी 'गुप्त' बैठक के बारे में पूछे जाने पर, शरद पवार ने कहा, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि वह मेरे भतीजे हैं। भतीजे से मिलने में क्या बुराई है?

यदि परिवार का कोई वरिष्ठ व्यक्ति परिवार के किसी अन्य सदस्य से मिलना चाहता है, तो इसमें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। राकांपा प्रमुख ने यह भी कहा कि लोग राज्य की बागडोर महा विकास आघाड़ी को सौंपेंगे-जिसमें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राकांपा (शरद पवार समूह) और कांग्रेस शामिल हैं। शरद पवार ने रविवार को दिवंगत विधायक गणपतराव देशमुख की प्रतिमा का अनावरण करने के लिए सोलापुर जिले में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के साथ मंच साझा किया। □

उच्च न्यायालय ने एनजीओ ऑक्सफैम इंडिया की आईटी पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही पर रोक लगाई

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गैर- सरकारी संगठन ऑक्सफैम इंडिया के खिलाफ आयकर पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। अदालत ने आयकर विभाग को नोटिस जारी किया है और उससे एनजीओ की याचिका पर जवाब मांगा है। ऑक्सफैम ने आयकर विभाग की ओर से उसे जारी किये गये नोटिस एवं आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। रिकॉर्ड के अनुसार, सात सितंबर, 2022 को इस एनजीओ का आयकर विभाग द्वारा सर्वे किया गया, फलस्वरूप वित्त वर्ष 2016-17 के लिए पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू की गयी तथा इस साल 29 मार्च को ऑक्सफैम को आयकर विभाग का नोटिस जारी किया गया। न्यायमूर्ति राजीव शकधर और न्यायमूर्ति गिरीश कठपलिया की पीठ ने कहा, छह सप्ताह के अंदर प्रति-हलफनामा दाखिल किया जाए। जवाबी दावा, यदि कोई हो तो, अगली सुनवाई की तारीख से कम से कम पांच दिन पहले दाखिल किया जाए।

कल स्वतंत्रता दिवस की परेड़ की सलामी लेंगे मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

■ सुरक्षा के लिए 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए ■ मानक शॉ ग्राउन्ड में सुबह 9 बजे होगा राष्ट्र ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत की आजादी की 76वीं वर्षगांठ के मौके पर एमजी रोड के पास स्थित मानेक शॉ ग्राउन्ड में 15 अगस्त को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया राष्ट्र ध्वज रोहण करेंगे। रविवार को मानेक शॉ परेड ग्राउन्ड में बीबीएम के आयुक्त तुषार गिरिनाथ एवं नगर पुलिस आयुक्त दयानंद ने राष्ट्रगान की गूंज के बीच मंच पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं परेड का निरीक्षण किया तथा विभिन्न पुलिस और अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियों, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेटों और छात्रों द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली। आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले भव्य समारोह की प्रस्तावना के रूप में फुल ड्रेस रिहर्सल भी आयोजित की गई।

मानक शॉ ग्राउन्ड में रविवार को फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान बीबीएमपी आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने परेड की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ध्वजारोहण के बाद ओपन जीप में परेड़ की सलामी लेंगे। साथ ही कर्नाटक राज्य गीत एवं किसान गीत का गान किया जाएगा। परेड में राज्य की अनेक सुरक्षा इकाई की टुकड़ियां भाग लेंगी। लगभग 750 स्कूली बच्चों द्वारा समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत जवानों को 'वीर नमन' प्रस्तुत करेंगे। वहीं बीबीएमपी के पीयूसी कॉलेज होरोहल्ली के विद्यार्थियों द्वारा एक स्वतंत्रता दिवस पर प्रस्तुति दी जाएगी। एमईजी सेन्टर के जवानों और एएससी सेन्टर के जवानों द्वारा हैरत अंग्रेज प्रस्तुति दी जाएगी।

ग्राउन्ड पर सुरक्षा के विषय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए नगर पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बताया कि मुख्यमंत्री ध्वजारोहण करेंगे। इसके चलते अति विशिष्ट अतिथि समारोह में उपस्थित रहेंगे। कोई भी अप्रियहितकर घटना न हो इसका विशेष ध्यान रखा गया है। जिसके लिए पुलिस चाक चौबंद रहेगी। समारोह स्थल पर नौ डीसीपी, 15 एसीपी, 43 पुलिस इंस्पेक्टर, 110 पुलिस और महिला सब इंस्पेक्टर, 72 सहायक सब इंस्पेक्टर, 54 हैड कांस्टेबल, 77 महिला पुलिसकर्मी के साथ 157 अन्य पुलिस अधिकारी सिविल ड्रेस में ग्राउन्ड में एवं ग्राउन्ड के आसपास तैनात रहेंगे।

वहीं मानक शॉ परेड ग्राउन्ड, उसके आसपास एमजी रोड, कब्बन रोड, कामराज रोड आदि पर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिसकी देख रेख के लिए 56 पुलिस कर्मी सीसीटीवी कैमरे केन्द्र में तैनात रहेंगे। कुल 1786 पुलिस अधिकारी एवं कर्मी मानक शॉ ग्राउन्ड में तैनात होंगे। इसके अलावा भी कर्नाटक रिजर्व पुलिस और सिटी आर्मड रिजर्व पुलिस की दस टुकड़ी तैनात की जाएगी। दो अग्निशमन वाहन, दो एम्बुलेंस, चार पुलिस वैन खाली, एक क्विक एक्शन पुलिस फोर्स सुरक्षा की दृष्टि से ग्राउन्ड में मौजूद होंगी।

सुचारू ट्रॉफिक व्यवस्था के लिए पुलिस अधिकारी तैनात किए जा रहे हैं जिसमें तीन डीसीपी, 6 एसीपी, 22 इंस्पेक्टर, 31 सब इंस्पेक्टर 124 सहायक सब इंस्पेक्टर, 507 हैड कांस्टेबल एवं पुलिस कांस्टेबल रहेंगे। लोगों की व्यवस्था के लिए गेट नं. 2 से वीआईपी पास धारकों को, गेट नं. 3 से वीवीआईपी पास धारकों को और गेट नं. 4 से पब्लिक पास धारकों को प्रवेश दिया जाएगा। वहीं ट्रॉफिक पुलिस ने लोगों से सुबह 8 बजे से 11 बजे के बीच मानक शॉ ग्राउन्ड और उसके आसपास के क्षेत्र को छोड़कर जाने की बात कही है।

सिद्दरामैया ने सूखा घोषित करने के मानदंडों की समीक्षा के लिए केंद्र को पत्र लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर राज्यों में सूखा घोषित करने के मापदंडों की समीक्षा करने और इसमें संशोधन पर विचार करने का आग्रह किया है, ताकि एक अधिक उत्तरदायी प्रारूप स्थापित किया जा सके, जो प्रत्येक राज्य की वास्तविकताओं को स्वीकार करे और विशेष रूप से किसानों को समय पर सहायता प्रदान करे।

कर्नाटक में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान कम बारिश की पृष्ठभूमि में, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को राज्य सरकारों द्वारा सूखा घोषित करने के लिए 'सूखा प्रबंधन नियमावली-2016' में निर्धारित कड़े मापदंडों को लेकर पत्र लिखा है। इन नियमों को 2020 में अपडेट किया गया था। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में मौजूदा मानसून ऋतु में 34 फीसदी कम बारिश हुई है और जून में कमजोर मानसून की वजह से 56 प्रतिशत कम वर्षा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कई तालुकाओं में सूखे जैसे हालात होने के बावजदू मौजूदा मापदंडों की वजह से राज्य सरकार सूखा घोषित नहीं कर सकी, जिससे किसानों को राहत नहीं पहुंचाई जा सकी। सिद्दरामैया ने कहा, यह समझ में आता है कि सूखे की घोषणा के मानदंड सटीक आकलन और संसाधनों के उचित आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किए गए हैं, लेकिन प्रत्येक राज्य और उसके भीतर के क्षेत्रों की अनूठी चुनौतियों और आवश्यकताओं को पहचानना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न अनियमित मौसम की स्थिति और किसानों तथा कृषि क्षेत्र पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के कारण उत्पन्न होने वाली गंभीर स्थिति पर सटीक प्रतिक्रिया देने के लिए सूखे की घोषणा के वास्ते मौजूदा मापदंडों की पुन: समीक्षा भी अहम है। सिद्दरामैया ने कहा, वर्तमान स्थिति की मांग है कि लंबे समय तक रहने वाली पानी की कमी के कृषि और किसानों की आजीविका पर दीर्घकालिक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए मौजूदा मानदंडों के प्रति अधिक लचीला दृष्टिकोण अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि सूखे की घोषणा के लिए एक ही पैमाना विभिन्न क्षेत्रों में लागू करना सही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र-विशिष्ट मानदंड विकसित करना महत्वपूर्ण है, जो स्थानीय पारिस्थितिकी कारकों, पानी की उपलब्धता और कृषि प्रथाओं पर विचार करता हो।

टीटीडी ने जंगली जानवरों के हमले के मद्देनजर लिया अहम फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुमाला। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने जंगली जानवरों के हमलों विशेषकर बच्चों को निशाना बनाने के मामलों के मद्देनजर दो महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जो रविवार से ही लागू हो गए हैं।

तेंदुओं की आवाजाही पांच स्थानों पर देखी गई है, जिनमें अलीपिरी से गैलीगोपुरम के पास तीन स्थान, श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी (एलएनएस) मंदिर और कल रात 38वें टर्निंग पर शामिल हैं। इस संबंध में टीटीडी ने 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों वाले तीर्थयात्रियों को तड़के पांच बजे से अपराह्न दो बजे बजे तक केवल दोनों फुटपाथ मार्गों पर ट्रेक करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है और यह परिवर्तन रविवार से ही लागू हो गया है।

एक अन्य अहम फैसले में दोपहिया वाहनों की आवाजाही भी शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक रोक दी गई है। शुक्रवार शाम को तिरुमाला जाने वाले अलीपिरी पैदल मार्ग पर तेंदुए के हमले में एक छह साल की बच्ची की मौत हो गई। हाल के दिनों में पैदल मार्ग पर जंगली जानवरों के हमले की यह पहली घातक घटना है। टीटीडी के अध्यक्ष बी करुणाकर रेड्डी फुटपाथ मार्गों और घाट सड़कों दोनों में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर उठाए जाने वाले उपायों पर चर्चा करने के लिए सोमवार शाम को तिरुपति में टीटीडी ईओ, जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक (एसपी) के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। टीटीडी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे जंगली जानवरों की समस्या का समाधान होने तक तीर्थयात्रियों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए टीटीडी द्वारा उठाए गए दिशानिर्देशों का पालन करने में अपना सहयोग दें।

संतों ने कर्नाटक सरकार से गोवध एवं धर्मांतरण रोधी कानूनों को बरकरार रखने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विभिन्न मठों के संतों ने कर्नाटक सरकार से गोवध एवं धर्मांतरण रोधी कानूनों को बरकरार रखने की अपील की है। यहां विभिन्न मठों के महंतों ने इस संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए। संतों ने सरकार से यह सुनिश्चित करने की भी अपील की कि वह इन दोनों कानूनों को उसी रूप में लागू करे जिस रूप में वे हैं, न कि उन्हें शिथिल करे।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने यहां जारी एक बयान में कहा कि यहां मल्लेश्वरम के यदुगिरि यतिराजा मठ में उसके द्वारा आयोजित 'संत सम्मेलन' में विभिन्न मठों के महंतों ने भाग लिया और 'राज्य में धर्म' के सिलसिले में नवीनतम घटनाक्रम पर चर्चा की। विहिप ने बताया कि सम्मेलन में गोवध, धर्मांतरण, लव जिहाद, हिंदू अविभाजित परिवार, पर्यावरण, दूसरों के साथ सद्भाव जैसे विषयों पर चर्चा की गई तथा सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव पारित किए गए।

प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करने वालों में यदुगिरि यतिराजा मठ के यदुगिरि यतिराजा नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी, रामकृष्ण मिशन के चंद्रेशानंदजी, महालिंगेश्वर मठ के रविशंकर शिवाचार्य स्वामीजी समेत विभिन्न मठों के 14 महंत शामिल हैं।

कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले एवं प्रचार के दौरान संकेत दिया था कि उसका इरादा पिछली भाजपा सरकार द्वारा लाए गए इन कानूनों को वापस लेने का है। सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार धर्मांतरण रोधी कानून वापस लेने का फैसला कर भी चुकी है लेकिन उसने स्पष्ट किया है कि गोवध रोधी कानून को वापस लेने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

संत सम्मेलन में पारित पहले प्रस्ताव में कहा गया, 'कर्नाटक में लोग शांति, सद्भाव एवं भाईचारे के साथ रहें, उसके लिए जरूरी है कि कर्नाटक मवेशी वध रोकथाम एवं संरक्षण अधिनियम (गोवध रोधी कानून) को वर्तमान सरकार द्वारा वापस नहीं लिया जाए।' दूसरे प्रस्ताव में कहा गया, 'देश में लोग शांति एवं सद्भाव से रहें, उसके लिए जरूरी है कि कर्नाटक धार्मिक स्वतंत्रता अधिकार संरक्षण अधिनियम (धर्मांतरण रोधी कानून) को वापस नहीं लिया जाए। सरकार से इसे लागू करने की अपील है।'

अन्नामलाई ने स्टालिन की आलोचना की

चेन्नई। तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने रविवार को लोगों को लुभावने शब्दों से धोखा देने के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि वह बच्चों के लिए पोषण सुनिश्चित करने के लिए एक योजना लेकर आए हैं। बच्चों के लिए पोषण सुनिश्चित करने के लिए, पोषण अभियान योजना के तहत प्रदान किए गए धन का उचित उपयोग किया जाएगा, जिसे प्रधान मंत्री नरेंद्र द्वारा पहले ही लागू किया जा चुका है। अन्नामलाई ने ट्वीट किया कि पिछले सात सालों में मोदी ही काफी हैं। उन्हें (स्टालिन को) यह एहसास होना चाहिए कि सिर्फ नया नाम देने से बच्चों को पोषण नहीं मिलेगा।

पुष्प प्रदर्शनी

रविवार को बेंगलूरु के लालबाग स्थित ग्लास हाउस में चल रही स्वतंत्रता दिवस पुष्प शो में सप्ताहांत की भीड़ देखी गई।

दुर्घटना

रविवार को तुमकुरु के सिद्धगंगा मठ में गोकट्टे में मां समेत चार लोग डूब गए। यह घटना तब हुई जब उन्होंने गोकाटे तालाब में गिरे एक लड़के को बचाने की कोशिश की।

चंद्रयान-3 आज चांद के और नजदीक पहुंचेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने तीसरे चंद्रमा मिशन चंद्रयान-3 के अंतरिक्ष यान को चंद्रमा के और करीब पहुंचाने के लिए सोमवार यानी 14 अगस्त को महत्वपूर्ण तीसरा ऑर्बिट रिडक्शन मनूवर करेगा।

इसरो ने कहा, ऑर्बिट रिडक्श्न मनूवर 14 अगस्त को भारतीय समयानुसार साढ़े ग्यारह बजे से साढ़े बारह बजे के बीच किया जाएगा।इसरो प्रमुख ने कहा कि 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की योजना है। चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद भारत, अमेरिका, सोवियत संघ और चीन के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। चंद्रयान-3 का रास्ता चंद्रयान-2 की तरह ही होगा। इसमें तीन फेज शामिल हैं: अर्थ ऑर्बिट मनूवर, ट्रांस लूनर इंजेक्शन, और लूनर ऑर्बिट मनूवर। इसरो ने नौ अगस्त की दोपहर को चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान की कक्षा को और कम करने के लिए दूसरी महत्वपूर्ण मनूवर सफलतापूर्वक की थी और इसे चंद्रमा की सतह के और भी करीब ले गया था। इसरो ने कहा,दूसरे मनूवर के बाद, चंद्रयान -3 की कक्षा को घटाकर 174 गुणा 1437 किलोमीटर कर दिया गया और इसे चंद्रमा के और करीब ले जाया गया। चंद्रयान-3 को पांच अगस्त को चंद्र कक्षा में प्रवेश करने के बाद, यह छह अप्रैल की देर रात को पहली नियोजित कक्षा कटौती प्रक्रिया से सफलतापूर्वक गुजरा था। इंजनों की रेट्रोफायरिंग ने अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की सतह के 170 गुणा 4313 किलोमीटर के करीब ला दिया है।

इसरो ने कहा, जैसे-जैसे मिशन आगे बढ़ रहा है चंद्रयान-3 की कक्षा को धीरे-धीरे कम करने और इसे चंद्र ध्रुवों पर स्थापित करने के लिए कई तरीके काम में लिये जा रहे है। कुछ प्रयासों के बाद, प्रणोदन मॉड्यूल कक्षा में रहते हुए लैंडर से अलग हो जाएगा। इसके बाद, 23 अगस्त को चंद्रमा के अब तक अनछुए दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में 'सॉफ्ट लैंडिंग' की सुविधा के लिए जटिल प्रक्रियों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया जाएगा।

अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि चंद्रयान-3 की सेहत सामान्य है। पूरे मिशन के दौरान अंतरिक्ष यान के स्वास्थ्य की लगातार इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) के मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (एमओएक्स), बयालू के पास भारतीय डीप स्पेस नेटवर्क (आईडीएसएन) एंटीना बेंगलूरु, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और जेपीएल डीप स्पेस एंटीना के सहयोग से निगरानी की जा रही है। इसरो ने पांच अगस्त को कहा था कि चंद्रयान-3 मिशन ने लूनर ऑर्बिट इंसर्शन' (एलओआई) के सफल समापन के साथ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। यह एलओआई भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 12 मिनट से शुरू होकर कुल 1,835 सेकंड के लिए पेरिल्यून में रेट्रो-बर्निंग द्वारा किया गया। इसरो ने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश करने के बाद कहा, एमओएक्स, आईएसटीआरएसी यह चंद्रयान-3 है, मैं चंद्र गुरुत्वाकर्षण महसूस कर रहा हूं।

इसमें कहा गया है, मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (एमओएक्स), आईएसटीआरएसी, बेंगलपरु से पेरिल्यून में रेट्रो-बर्निंग का आदेश दिया गया था। यह लगातार तीसरी बार है जब इसरो ने मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश करने के अलावा अपने अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रविष्ट किया है। बहुप्रतीक्षित सॉफ्ट लैंडिंग की योजना 23 अगस्त को बनाई गई है, जिसके दौरान लैंडर प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग हो जाएगा और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास आराम से उतरने का प्रयास करेगा। सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए इस प्रक्रिया में सटीक ब्रेकिंग तकनीकों की आवश्यकता होती है। लैंडिंग प्रयास से पहले, इसरो खतरों और संभावित बाधाओं से मुक्त, सुरक्षित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए लैंडिंग साइट क्षेत्र की पूरी तरह से स्कैन करेगा।

एम.के. स्टालिन ने निर्मला सीतारमण पर उठाये सवाल

चेन्नई/मदुरै। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने संसद में दिये गये केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस बयान पर सवाल उठाये हैं जिसमें राज्य विधानसभा में वर्ष 1989 में दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिा पर हुए कथित हमले का जिक्र किया गया था। हालांकि, अन्नाद्रमुक नेता ई. के. पलानीस्वामी ने दिवंगत नेता जयललिता पर हमले की घटना को स्वीकार किया तथा इस बारे में दिये गये बयान को लेकर स्टालिन पर पलटवार किया। लोकसभा में 10 अगस्त को अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान सीतारमण ने मणिपुर मुद्दे पर अपने भाषण के बाद द्रमुक सांसद कनिमोझी को 25 मार्च, 1989 को तमिलनाडु विधानसभा में हुई उस घटना के बारे में याद दिलाने की कोशिश की थी जब तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष जयललिता की साड़ी खींची गई थी।

उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत ही पवित्र सभा है, विधानसभा में विपक्ष की नेता जयललिता की साड़ी खींची गई। उनकी साड़ी खींची गई और वहां बैठे द्रमुक सदस्यों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की, उन पर हंसे और उनका मजाक उड़ाया...।'

एक दैनिक को दिए गये साक्षात्कार में स्टालिन ने वित्त मंत्री के आरोपों का खंडन किया और दिवंगत जयललिता का जिक्र करते हुए कहा, विधानसभा में मौजूद हर कोई जानता था कि यह उनके द्वारा रचा गया एक नाटक था।

मुख्यमंत्री गहलोत ने जयपुर में विधायकों के लिए 160 नवनिर्मित फ्लैट का लोकार्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को जयपुर में विधानसभा के पास विधायक आवास परियोजना का लोकार्पण किया। इस परियोजना में 444 करोड़ रुपए की लागत से कुल 160 फ्लैट बनाए गए हैं। गहलोत ने इस अवसर पर कहा कि 'विजन 2030' के तहत राज्य को विकसित श्रेणी के राज्यों में लाना सरकार का लक्ष्य है। अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना के तहत छह बहुमंजिला टावर में 3,200 स्क्रायर फुट वाले कुल 160 फ्लैट में विधायकों की सुरक्षा का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। पूरे परिसर के 'कॉमन एरिया' (पार्किंग, ड्राइव-वे, बेसमेंट, लिफ्ट) में 80 से ज्यादा अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। परिसर में 'डबल बेसमेंट' में स्मार्ट पार्किंग की भी सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है, जिसमें दोनों बेसमेंट को मिलाकर 921 चौपाहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान आवासन मण्डल की चार वर्षों की उपलब्धियों की पुस्तिका का विमोचन भी किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से जनप्रतिनिधियों एवं उनके परिवारों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकेंगी। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ने विधायक आवास परियोजना की पहल की तथा इसे रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया।

आत्महत्या के मामलों पर लगाम लगाने के लिए छात्रों का मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराएगा प्रशासन

कोटा/दक्षिण भारत। राजस्थान के कोटा में कोचिंग छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए जिला प्रशासन हर पखवाड़े छात्रों का मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षण से छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति का पता लगाने में मदद मिलेगी। इससे उन्हें समय पर परामर्श प्रदान किया जा सकेगा। कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों के लिए दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन की समीक्षा को लेकर शनिवार को कोचिंग संस्थानों, छात्रावासों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों के साथ जिला स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। कोटा के जिलाधिकारी ओ.पी. बुनकर ने समीक्षा बैठक के बाद मीडिया को बताया, हम हर कोचिंग छात्र का हर पखवाड़े मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराने जा रहे हैं, चाहे वह कोचिंग संस्थान, हॉस्टल या पीजी में रहता हो। इस साल जनवरी से अब तक कोटा में कोचिंग छात्रों के आत्महत्या करने के 19 मामले सामने आए हैं। इनमें से इस महीने के पहले 10 दिन में तीन मामले सामने आए।

राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल, सड़क निर्माण जैसे सभी क्षेत्रों में करवाए गए बेहतरीन विकास कार्य : जाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने रविवार को भीलवाड़ा जिले के मांडल क्षेत्र की ग्राम पंचायत रामपुरिया में जनसंपर्क एवं जनसुनवाई की।

जाट ने इस दौरान मौजूद राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की आमजन को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल, सड़क निर्माण जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन विकास कार्य करवाए गए है। जाट ने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक गांव, ढाणी, कस्बे में अंतिम छोर तक बैठे हुए व्यक्ति को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को समान अवसर व संसाधन उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता हैं।

इस अवसर पर उन्होंने 'राजस्थान युवा महोत्सव के आयोजन की महत्ता को बताते हुए कहा कि प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को निखारने, उन्हें आगे बढ़ने के लिए मंच प्रदान करने एवं राज्य की लुप्त हो रही लोक कलाओं तथा संस्कृति के संवर्धन के लिए 'राजस्थान युवा महोत्सव' का आयोजन किया का जा रहा है। इन आयोजनों का उद्देश्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संवारना है।

उन्होंने बताया कि प्रदेशवासियों को राहत दिलाने के लिए 10 जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को जोड़ने और तुरंत लाभ पहुंचाने के लिए कैंप भी आयोजित किए गए। साथ ही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आमजन मौजूद रहें।

सामान्य वर्षा के बाद भी पांच जिलों में बरसात की कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून का दौर फीका पड़ जाने से इस बार अब तक औसत सामान्य वर्षा होने के बाद भी पांच जिलों जैसलमेर, झालावाड़, बारां, डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा में बरसात की कमी बनी हुई हैं तथा पांच दिनों में अच्छी बरसात की संभावना नहीं जताई गई है और मौसम शुष्क रहने की संभावना है। जल संसाधन विभाग के अनुसार राज्य में गत एक जून से 13 अगस्त तक सामान्य वर्षा 357. 07 मिलीमीटर के मुकाबले 411. 55 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जो सामान्य से 15. 3 प्रतिशत अधिक है। (सामान्य वर्षा से 19 प्रतिशत अधिक एवं कम बरसात को सामान्य बरसात की श्रेणी में ही माना जाता है।)

राज्य में इस दौरान सर्वाधिक वर्षा की कमी सीमांत जैसलमेर जिले में दर्ज की गई जहां अब तक केवल 61.50 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 45.9 प्रतिशत कम है। इसी तरह बारां जिले में अब तक 354. 81 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 35.7 प्रतिशत, डूंगरपुर में 337. 09 मिलीमीटर बारिश हुई जो सामान्य से 25. 4 प्रतिशत, झालावाड़ में 435.08 मिलीमीटर वर्षा हुई जो सामान्य से 22. 2 , बांसवाड़ा जिले में 443. 36 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 20.8 प्रतिशत कम हैं।

हालांकि मानसून के पहले एवं इसके आने के बाद राज्य में अच्छी बरसात के कारण अब तक प्रदेश के छह जिलों बाड़मेर, जालोर, जोधपुर, पाली, राजसमंद एवं सिरोही में असामान्य बरसात हो चुकी है। इस बार संभागों में केवल जोधपुर संभाग ही ऐसा है जहां केवल असामान्य बरसात दर्ज की गई हालांकि संभाग का जैसलमेर जिला ऐसा है जहां अभी बरसात की कमी बनी हुई हैं। संभाग का जालोर जिला ऐसा है जहां राज्य में अब तक सर्वाधिक बरसात हुई जहां अब तक 692. 60 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है जो सामान्य वर्षा की तुलना में 146. 5 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह बाड़मेर जिले में अब तक 442. 05 मिलीमीटर वर्षा हुई जो सामान्य से 143. 8 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा संभाग के पाली जिले में 629. 20 मिलीमीटर बारिश हुई जो सामान्य से 93. 2 प्रतिशत, सिरोही में 1059. 80 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 81.2 प्रतिशत एवं जोधपुर जिले में 315. 03 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 61.7 प्रतिशत ज्यादा है। जोधपुर संभाग में अब तक सामान्य वर्षा 280.20 मिलीमीटर के मुकाबले 533.36 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है जो सामान्य से 90. 4 प्रतिशत अधिक है।

इस दौरान सामान्य से अधिक बरसात आठ जिलों अजमेर, बीकानेर, गंगानगर, जयपुर, झुंझुनूं, नागौर, सीकर एवं टोंक जबकि सामान्य बारिश 14 जिलों अलवर भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चुरु, दौसा , धौलपुर, हनुमानगढ़, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, सवाईमाधोपुर एवं उदयपुर में हुई। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष इस दौरान 442.85 बरसात हो हुई थी जो सामान्य से 24.02 प्रतिशत ज्यादा थी और ऐसा एक भी जिला नहीं था जहां बरसात की कमी हो।

इस बार राज्य के छोटे-बड़े 690 बांधों में अब तक 156 बांध लबालब हो गए तथा 359 बांध आंशिक रुप से भर गए जबकि 175 बांध अभी भी खाली है। अब तक बांधों में पानी का भराव 8519.60 एमक्यूएम पहुंच गया जो भराव क्षमता 67.72 प्रतिशत है। गत वर्ष इस दौरान बांधों का भराव 64.11 प्रतिशत तक पहुंचा था। गत 15 जून को इन बांधों में भराव क्षमता का 42.80 प्रतिशत पानी था जो मानसून की वर्षा के बाद इसमें करीब 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

स्वागत

रविवार को बीकानेर के नोखा पहुंचने पर केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का स्वागत करते स्थानीय लोग एवं भाजपा कार्यकर्ता।

संबोधन

भीलवाड़ा जिले के शंभुगढ़ में रविवार को भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राजसमंद सांसद श्रीमती दिया कुमारी आसींद विधानसभा क्षेत्र की बूथ विजय संकल्प बैठक को संबोधित करती हुई।

वैन और बस की भिड़ंत, सात लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नवगठित डीडवाना-कुचामन जिले में शनिवार को सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक धरमचंद बिश्नोई ने बताया कि यह घटना जिले के खुनखुना पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले बंथड़ी गांव के पास हुई, जहां एक वैन और एक निजी बस की आमने-सामने टक्कर हो गई।

उन्होंने बताया कि हादसे में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बिश्नोई ने बताया कि दो घायल यात्रियों को जिले के बांगड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया। वैन में सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए सीकर से नागौर जा रहे थे।

गहलोत ने दी नौ जिलों में दस अल्पसंख्यक छात्रावास संचालन प्रस्ताव को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नौ जिलों में दस अल्पसंख्यक छात्रावासों के संचालन और नवीन पदों के सृजन तथा बीकानेर एवं अजमेर जिले में बायोलॉजिकल पार्क की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के बीकानेर, बूंदी, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, नागौर, सवाईमाधोपुर, सीकर एवं उदयपुर जिले में अल्पसंख्यक छात्रावास संचालित किये जायेंगे। इसकी स्वीकृति से उदयपुर में 100 और अन्य सभी जिलों के छात्रावासों की क्षमता 50-50 सीट की रखी गई है।

जैसलमेर में बालक एवं बालिका छात्रावास (कुल दो) एवं बीकानेर के खाजूवाला, बूंदी, सीकर में बालक छात्रावास तथा जालोर, झुंझुनूं, नागौर, सवाई माधोपुर और उदयपुर में बालिका छात्रावास संचालित होंगे।

साथ ही, जैसलमेर, झुंझुनूं और जालोर बालिका छात्रावासों में महिला छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय और जैसलमेर के बालक छात्रावास में पुरूष छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय के एक-एक पदों का भी सृजन किया गया है। राज्य के बीकानेर एवं अजमेर जिले में बायोलॉजिकल पार्क की स्थापना की जाएगी। साथ ही जयपुर जंतुआलय को पक्षी विहार तथा बीकानेर जंतुआलय को पक्षी विहार एवं रेस्क्यू सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।

गहलोत ने इन कार्यों के लिए 20 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इस स्वीकृति से वन्यजीवों के संरक्षण एवं संवर्द्धन को बढ़ावा मिल सकेगा। रेस्क्यू सेंटर से घायल पशु-पक्षियों का त्वरित उपचार किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2023-24 में इस संबंध में घोषणा की थी।

जिले के मांडानी गांव में निकली बंदर की शव यात्रा

सिरोही। राजस्थान के सिरोही के मांडानी गांव में करंट लगने से एक बंदर की मौत हो गई। जिसके बाद ग्रामीणों ने एक अनोखे अंदाज में पौराणिक परंपरा के अनुसार बंदर की शवयात्रा निकाली। उसके बाद हिंदू रीति-रिवाज से बंदर का नदी किनारे अंतिम संस्कार किया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक गांव में ही करंट लगने से एक बंदर की मौत हो गई थी। इसकी सूचना मिलने के गांव के लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ बंदर की पूरे गांव में शवयात्रा निकाली। और उसके बाद नदी के किनारे अंतिम संस्कार किया गया। बता दें, कि स्थानीय निवासी बंदर और लंगूरों को भगवान हनुमान का प्रतिरूप मानकर पूजा करते हैं। भगवान राम के समय से ही वानरों को पूजा जाता है। इसलिए ग्रामीण पौराणिक परंपरा का आज तक निर्वहन करते आ रहे हैं। गांव के हर इलाके में बंदरों का वास है। परेशान के करने के बावजूद यहां के लोग बंदरों को बर्दाश्त करते हैं।

जयपुर में रविवार को अपने आवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा।

धौलपुर और सरमथुरा के बीच बिछाई गई रेललाइन अब हो गई अतीत का हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर संभाग में करीब सवा सौ साल पहले धौलपुर और सरमथुरा के बीच नैरोगेज के रूप मे बिछाई गई रेललाइन अब अतीत का हिस्सा बन जाएगी। बहुप्रतीक्षित धौलपुर-सरमथुरा-करौली-गंगापुर रेल परियोजना के तहत नेरोगेज रेलवे ट्रेक को उखाड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। गौरतलब है कि उत्तर मध्य रेलवे के धौलपुर से बाडी होते हुए बसेडी तथा सरमथुरा तक संचालित होती रही रियासतकालीन नैरोगेज ट्रेन को इसी वर्ष 31 मार्च को उसके आखिरी सफर के बाद 1अप्रेल से बंद किया जा चुका है। पहले स्टीम तथा वर्तमान में डीजल लोकोमोटिव के साथ संचालित करीब सवा सौ साल पुरानी इस ट्रेन का संचालन रियासतकाल में धौलपुर के लाल पत्थर के परिवहन के लिए शुरू हुआ था।

नई रेल परियोजना के पूरा होने के बाद धौलपुर समेत समीपवर्ती उत्तर प्रदेश एवं मध्यप्रदेश के श्रद्धालु ट्रेन से कैलादेवी धाम का सफर तय कर सकेंगे। रेल सूत्रों का अनुमान है कि इस नई रेल परियोजना के अक्टूबर 2024 तक पूरा होने के साथ ही रेललाइन शुरू हो सकती है। धौलपुर और करौली जिलों को रेल से जोडने वाली करीब 144.60 किलोमीटर लंबाई वाली इस रेल परियोजना पर करीब 2030.50 करोड रुपए की राशि खर्च होने का अनुमान है।

परियोजना के पहले चरण में धौलपुर और सरमथुरा के बीच में नैरोगेज का ब्राडगेज में आमान परिवर्तन कर बडी रेललाइन बिछाई जाएगी। जबकि दूसरे चरण में सरमथुरा से करौली होते हुए पश्चिम रेलवे के गंगापुर तक नई बडी रेल लाईन बिछाई जानी है। बताया गया है कि करीब चौदह साल पहले धौलपुर जिले के सरमथुरा कस्बे में तत्कालीन रेल राज्य मंत्री जय सूर्यप्रकाश रेड्डी एवं उस समय राजस्थान में कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री के रूप मे अशोक गहलोत ने धौलपुर-सरमथुरा-करौली-गंगापुर रेल परियोजना का शिलान्यास किया था।

इस साल नहीं होंगे छात्र संघ चुनाव

जयपुर। राजस्थान में सत्र 2023-24 में कालेजों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाए जाएंगे। शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार शिक्षा की गुणवत्ता के दृष्टिगत कुलपतिगणों ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाए जाने चाहिए। शनिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने छात्र संघ चुनाव नहीं कराने के संकेत दिए थे। इसके बाद देर रात शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव ही फैसला करेंगे, हालांकि उन्होंने ये जरूर कहा कि जब चुनाव बंद हो गए थे, तब उन्होंने ही चुनाव शुरू करवाए थे। उनसे बड़ा कमिटमेंट चुनाव को लेकर किसी और का नहीं हो सकता। आज जिस तरह से छात्र पैसे खर्च कर रहे हैं, जैसे एमएलए - एमपी के चुनाव लड़ रहे हों।

गहलोत जैसा फकीर पूरी दुनिया में नहीं होगा : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खुद को फकीर कहने पर केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने तंज कसा कि गहलोत जी जैसा फकीर पूरी दुनिया में नहीं होगा। कांग्रेस ने राजस्थान में भ्रष्टाचार की दुकान खोलकर इसलिए ही काउंटर उन्हें सौंपा है।

तो बहनों-भाइयों जान लीजिए, कांग्रेस में सब गहलोत जी के पैसों से चुनाव लड़ते हैं। अब पैसा कहां से आता है, बताने की जरूरत है क्या। अपनी चीजें भुलाकर दूसरों पर दोषरोपण करना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की फितरत है।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अपनी को भुलाकर दूसरों पर दोषारोपण करना उनकी फितरत है। वह यह भूल जाते हैं कि अगर कोई एक अंगुली किसी दूसरे की तरफ उठाता है तो तीन अंगुलियां अपनी तरफ उठती हैं। दरअसल, शनिवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए शेखावत ने कहा कि जो राज्य बलात्कार में नंबर वन हो, भ्रष्टाचार में नंबर वन हो, बेरोजगारी में नंबर वन हो, उसे किसी पर दोषारोपण करने का कोई अधिकार नहीं है। शेखावत ने कहा कि राजस्थान की जनता इनकी राजनीतिक चालबाजियों को जानती है। अबकी बार हिसाब बराबर भी करने वाली है।

राजस्थान में पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि जिस पार्टी के पास दुनिया का सबसे लोकप्रिय चेहरा हो, उससे कांग्रेस में डर जायज है। जिस पार्टी के पास नरेंद्र मोदी जी जैसा नेता हो और जिस पार्टी के पास राहुल गांधी जैसा नेता हो, उसकी तुलना पूरा देश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरोकारों की पार्टी रही है और पार्टी का हर कार्यकर्ता एक विचार को लेकर कार्य कर रहा है। जब से पार्टी बनी है, इसी सरोकार के तहत पार्टी काम कर रही है। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी में आज तक विभाजन नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मणिपुर हिंसा पर सवाल उठाने पर शेखावत ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह जी ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए जो जवाब दिया था कि अगर अशोक गहलोत उसे नहीं देख पाए थे तो उन्हें एक बार अवश्य देखना चाहिए। गृह मंत्री ने मणिपुर में आजादी के बाद से अब तक हुई घटनाओं के बारे में विस्तार से बताया था। गृह मंत्री खुद वहां गए थे। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय दंगे होते रहे, लेकिन गृह मंत्री तो छोड़ दीजिए, गृह राज्यमंत्री तक वहां नहीं गए।

विदेश में फंसे उप्र के लोगों को लाएंगे वापस : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि विदेश में फंसे उत्तर प्रदेश के लोगों को वापस लाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को दूतावासों से संपर्क करने के निर्देश दिये हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में देवरिया व कुशीनगर की कुछ महिलाओं ने अपने परिजनों के थाईलैंड, ओमान आदि देशों में फंसे होने की जानकारी देकर उनकी वतन वापसी की गुहार लगाई। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने उन्हें मदद का आश्वासन दिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि दूतावास से संपर्क कर जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बंगाल के नेताओं के साथ कई बैठक की

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को कोलकाता में राज्य के पार्टी नेताओं के साथ कई बैठकें कीं और उनसे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बूथ स्तर के संगठन को मजबूत करने के लिये कहा। नड्डा ने भाजपा के राज्य नेतृत्व से लोगों तक अधिक से अधिक पहुंचने के लिये भी कहा। बैठक में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, विधायक और सांसद शामिल हुए। भाजपा के एक नेता ने कहा, नड्डा जी ने पार्टी की संगठनात्मक ताकत का जायजा लिया। उन्होंने पार्टी के पंचायत चुनाव प्रदर्शन की रिपोर्ट देखी और उन जगहों पर वोट शेयर में गिरावट के बारे में पूछताछ की, जहां हमने लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने पार्टी नेताओं से केंद्र द्वारा किए गए विकास कार्यों को लोगों तक पहुंचाने और तृणमूल कांग्रेस सरकार के कुशासन को उजागर करने के लिए भी कहा।

भाजपा अध्यक्ष ने शनिवार रात को एक बैठक की, रविवार सुबह दूसरी बैठक और दोपहर में नेशनल लाइब्रेरी में एक अन्य बैठक की। उन्होंने बताया कि इससे पहले भाजपा अध्यक्ष सुबह अपनी पत्नी मल्लिका नड्डा के साथ कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित दक्षिणेश्वर काली मंदिर भी गये। लोकसभा चुनाव से पहले संगठन का जायजा लेने के लिए नड्डा तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को यहां पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2024 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल से 35 लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 42 में से 18 सीट पर जीत हासिल की थी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के पूर्व निजी सचिव सहित सात के खिलाफ तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पूर्व निजी सचिव प्रकाश चंद उपाध्याय और छह अन्य व्यक्तियों के खिलाफ करीब तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यहां बताया कि पंजाब के पटियाला के रहने वाले संजीव कुमार ने यहां दर्ज कराई गयी शिकायत में आरोप लगाया है कि उपाध्याय और उनके छह साथियों ने उत्तराखंड में सरकारी निविदा दिलाने के नाम पर उनसे कई बार में करीब तीन करोड़ रुपये लिए। शिकायत में संजीव ने कहा कि उनकी और उपाध्याय की मुलाकात पिछले साल अप्रैल में हुई थी और उसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई।

पुलिस ने बताया कि संजीव ने अपने आरोप में कहा कि उपाध्याय ने उसे सरकारी निविदा दिलाने का वादा किया और इसके लिए उनसे तथा उनके कुछ साथियों से कुछ अंतराल पर करीब तीन करोड़ रुपये ले लिए। शिकायत में कहा गया कि निविदाएं नहीं मिलने पर जब उपाध्याय से पैसे वापस मांगे गए तो उसने 30 लाख रुपये का एक चेक दिया जो बाउंस हो गया। इस मामले में उपाध्याय के अलावा, सौरभ शर्मा, सौरभ की पत्नी नंदिनी, महेश महारिया, रौनक महारिया, शाहरूख खान और अमित लांबा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा सांसद को जान से मारने की धमकी

भदोही (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के भदोही से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रमेश बिंद को भदोही आने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है।

पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने रविवार को बताया कि सांसद रमेश बिंद ने जिले के गोपीगंज थाने में शनिवार को एक तहरीर दी है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर भदोही आने पर जान से मारने की धमकी दी है।

पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि तहरीर के मुताबिक सांसद के मोबाइल फोन पर एक मैसेज कर उन्हें भदोही आने पर मार देने की धमकी वाला मैसेज 11 अगस्त की शाम सात बजकर 49 मिनट पर 11 बार भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

इससे पहले, सांसद रमेश बिंद से दिल्ली में 10 लाख रुपये रंगदारी मांगी गई थी। इस मामले में मिथिलेश नामक युवक पकड़ा गया था।

राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ के परिसर में इमारतों पर चला बुलडोजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/लखनऊ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला एवं रेलवे प्रशासन ने राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ के परिसर में इमारतों पर शनिवार को बुलडोजर चला दिया। यह इमारत रेलवे भूमि का अतिक्रमण उस पर बनायी गयी थी। संघ के संयोजक राम धीरज ने बताया कि वर्ष 1961 में स्थापित सर्व सेवा संघ परिसर महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और लोकनायक जयप्रकाश (जेपी) नारायण की विरासत है, जेपी आपातकाल के दिनों में वहां ठहरे थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार संघ और रेलवे के बीच जमीन को लेकर विवाद था। वाराणसी के जिलाधिकारी एस राजलिंगम की अदालत ने इस साल की शुरुआत में एक आदेश में जमीन उत्तर रेलवे को दे दी थी। संघ इस आदेश के ख़िलाफ़ अदालत गया लेकिन उसे राहत नहीं मिली। उन्होंने बताया कि इसी साल 27 जून को परिसर के निवासियों को क्षेत्र खाली करने का आदेश दिया गया था। बाद में 22 जुलाई को एक संग्रहालय, एक गेस्ट हाउस और एक प्रकाशन कार्यालय खाली कर दिया गया था।

इसके बाद शनिवार को रेलवे, जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों की मौजूदगी में परिसर में कुछ इमारतों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि वाराणसी में सर्व सेवा संघ भवन की इमारतों पर बुलडोजर चलाना भाजपा की हार है। सपा प्रमुख ने रविवार को तंज करते हुए कहा, महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और जयप्रकाश जी की वैचारिक विरासत के प्रतीक वाराणसी के 'सर्व सेवा संघ' के भवन पर भाजपा सरकार बुलडोज़र चलवाकर जिसे अपनी जीत समझ रही है दरअसल वो उसकी हार है क्योंकि जिनके विचार देश की हवा में बुनियादी रूप से घुले-मिले हैं उनकी नींव कोई क्या हिलाएगा। शनिवार को राजघाट पर सर्व सेवा संघ के 13 एकड़ में बने 20 से ज्यादा मकानों पर बुलडोजर चला दिया गया था।

मणिपुर में लगातार हिंसा परेशान करने वाली, तुरंत रोकने की जरूरत: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में जारी हिंसा परेशान करने वाली है और इसे तुरंत रोकने की जरूरत है। वायनाड से सांसद गांधी ने कहा कि मणिपुर में हिंसा विभाजन, नफरत और गुस्से की एक विशेष प्रकार की राजनीति का सीधा परिणाम है। कांग्रेस नेता ने कहा, इसलिए, एक परिवार के रूप में सभी को एक साथ रखना महत्वपूर्ण है।

केरल की दो दिवसीय यात्रा पर आए गांधी रविवार की रात दिल्ली लौटेंगे। यहां कोडेनचेरी में सेंट जोसेफ हाई स्कूल ऑडिटोरियम में सामुदायिक दिव्यांगता प्रबंधन केंद्र (सीडीएमसी) की आधारशिला रखने के बाद गांधी ने कहा कि हिंसा के परिणामस्वरूप हुए घावों को ठीक होने में कई साल लगेंगे। उन्होंने कहा, दुख और गुस्सा इतनी आसानी से दूर नहीं होगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मणिपुर में हिंसा उनके लिए एक सबक है कि जब आप किसी राज्य में विभाजन, नफरत और गुस्से की राजनीति करते हैं, तो क्या होता है। वायनाड के सांसद के रूप में अपनी सदस्यता बहाल होने के बाद गांधी पहली बार केरल के दौरे पर आए।

'भाजपा आदिवासियों को 'वनवासी' कहकर उन्हें जंगलों तक सीमित करना चाहती है'

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जनजातीय समुदायों को जंगलों तक सीमित करने की कोशिश करने और 'आदिवासी' की जगह 'वनवासी' कहकर उन्हें भूखंडों के मूल स्वामित्व के दर्जे से वंचित करने का रविवार को आरोप लगाया। वायनाड के सांसद गांधी ने कुछ दिन पहले राजस्थान में पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए भी यही मामला उठाया था। उन्होंने राजस्थान में कहा था कि भाजपा जनजातीय समुदायों को आदिवासी की जगह 'वनवासी' कहकर उनका 'अपमान' करती है और उनकी वन भूमि छीनकर उद्योगपतियों को देती है। गांधी ने रविवार को वायनाड जिले में मानंतवाड़ी क्षेत्र के नल्लूरनाड स्थित 'डॉ. अंबेडकर जिला मेमोरियल कैंसर सेंटर' में 'एचटी (हाई टेंशन) कनेक्शन' का उद्घाटन करने के बाद आरोप लगाया कि आदिवासियों को वनवासी कहने के पीछे एक 'विकृत तर्क' दिया जाता है। उन्होंने कहा, यह आपको (आदिवासियों को) जमीन के मूल मालिक के अधिकार से वंचित करता है और इसका मकसद आपको जंगल तक ही सीमित रखना है।

गांधी ने कहा, इसका मतलब यह है कि आप जंगल से संबंध रखते हैं और आपको जंगल नहीं छोड़ना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह विचारधारा उनके दल को स्वीकार नहीं है, क्योंकि वनवासी शब्द जनजातीय समुदायों के इतिहास एवं परंपराओं को 'तोड़-मरोड़कर पेश' करता है और यह देश के साथ उनके रिश्ते पर एक 'हमला' है।

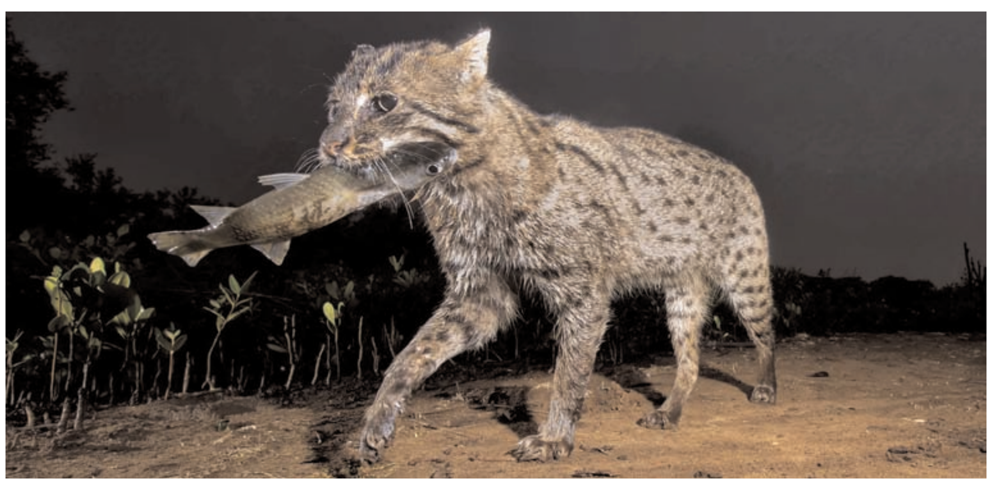

पश्चिम बंगाल में 'फिशिंग कैट' को बचाने के लिए 'संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम' शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के एक चिड़ियाघर में 'फिशिंग कैट' (मछली पकड़ने वाली बिल्ली) की प्रजाति के अस्तित्व को बचाने के लिए एक संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम शुरू किया गया है।

राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक ने यह जानकारी दी। वन मंत्री ने कहा कि यह कवायद राज्य के अन्य स्थानों पर भी की जाएगी तथा यदि यह कार्यक्रम सफल हो जाता है तो कई बिलौटों को 2024 तक उनके प्राकृतिक पर्यावास में छोड़ दिया जाएगा। फिशिंग कैट, पश्चिम बंगाल का राजकीय पशु है। मल्लिक ने कहा कि यह कार्यक्रम हावड़ा जिले के गारचुमुक प्राणी उद्यान में शुरू हुआ और यह राज्य के दक्षिणी हिस्से में बांकुरा और झाड़ग्राम जैसे जिलों तथा उत्तर में कुछ स्थानों पर भी किया जाएगा।

इस संबंध में एक अन्य अधिकारी ने बताया कि 'संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम' बड़ी संख्या में पर्यावास के नुकसान, इसके विखंडन, औद्योगिकीकरण, अवैध शिकार, अवैध व्यापार और जलवायु परिवर्तन जैसे दबावों के कारण जंगल में संबंधित जानवर की मौजूदा आबादी में गिरावट पर अंकुश लगाकर एक प्रजाति को संरक्षित करने का विज्ञान है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य (विलुप्त) प्रजातियों की आनुवांशिक विविधता को संरक्षित करना और प्राकृतिक पर्यावास में आत्मनिर्भर आबादी को फिर से स्थापित करने के लिए प्रजातियों को पुनर्स्थापित करना या फिर से पेश करना है। पश्चिम बंगाल चिड़ियाघर प्राधिकरण के सदस्य सचिव सौरव चौधरी ने कहा, वर्ष 2024 में फिशिंग कैट के कुल छह से आठ जोड़ों को उनके प्राकृतिक पर्यावास में छोड़े जाने की उम्मीद है।

फिशिंग कैट (प्रियोनैलुरस विवेरिनस) या 'बाघरोल' एक मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है, जो भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।

सपा ने घोषित की अपनी नई राज्य कार्यकारिणी इकाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) ने रविवार को अपनी नई राज्य कार्यकारिणी इकाई का ऐलान कर दिया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद इसे भंग कर दिया था। सपा नेता नरेश उत्तम पटेल हालांकि, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद पर बने हुये थे।

सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया, रविवार को पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की मंजूरी के बाद 182 सदस्यीय राज्य कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि राज्य कार्यकारिणी में अन्य लोगों के अलावा 61 सचिव, 48 सदस्य और 62 विशेष आमंत्रित सदस्य भी शामिल किये गये हैं। सपा के वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम को पार्टी का प्रदेश सचिव बनाया गया है। इसे पार्टी के गढ़ रामपुर और आज़मगढ़ में विधानसभा और लोकसभा उपचुनावों में हार के बाद पार्टी को पुनर्जीवित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि सपा ने पिछले साल अपने सभी संगठनों की राष्ट्रीय, राज्य और जिला इकाइयों को भंग कर दिया था।

जेसीसी (जे) से निष्कासित विधायक धर्मजीत सिंह भाजपा में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) से निष्कासित विधायक धर्मजीत सिंह रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। राज्य में भाजपा मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित एक समारोह के दौरान सिंह के साथ भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के पूर्व अधिकारी एसएसडी बडगैया भी भाजपा में शामिल हुए।

राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिंह के भाजपा में शामिल होने को, चुनाव के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

साव ने पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि विभिन्न दलों और समाज के विभिन्न वर्ग के लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं, जिससे स्पष्ट है कि राज्य में बदलाव की हवा चल रही है और नवंबर के बाद छत्तीसगढ़ में 'कमल' खिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुकी है और अब पूरे विश्वास के साथ भाजपा की ओर देख रही है।

साव ने कहा, हम सभी मिलकर छत्तीसगढ़ को बचाने के लिए काम करेंगे। लोरमी विधानसभा सीट से चार बार के विधायक धर्मजीत सिंह बिलासपुर संभाग में एक मजबूत और लोकप्रिय नेता माने जाते हैं।

खरगे ने मोदी सरकार पर स्वास्थ्य प्रणाली को 'बीमार' बनाने का आरोप लगाया, मांडविया का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को बीमार बना दिया है और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे अस्पताल भी चिकित्सकों तथा अन्य कर्मियों की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस प्रमुख ने यह भी दावा किया कि लोग अब जाग गए हैं और मोदी सरकार की विदाई का समय अब आ गया है। खरगे ने एक मीडिया रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि 19 एम्स में चिकित्सकों एवं अन्य कर्मियों की कमी है।

कांग्रेस प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर काव्यात्मक अंदाज में लिखा, लूट और जुमलों ने देश को किया अस्वस्थ, मोदी जी के हर शब्द में केवल झूठ ही कंठस्थ। दावा किया कि बनाए हैं एम्स कई सारे, सच्चाई है कि 'डॉक्टर-स्टाफ' की भारी कमी से जूझे एम्स हमारे। उन्होंने लिखा, मोदी जी, कोरोना वायरस महामारी के दौरान उदासीनता से लेकर, आयुष्मान भारत में घपलेबाजी तक आपकी सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को बीमार बनाया है। खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, जनता जाग चुकी है, आपका छल-कपट पहचान चुकी है, आपकी सरकार की विदाई की घड़ी आ चुकी है। मांडविया ने 'एक्स' के जरिए खरगे पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में केवल एक एम्स खोला गया था जबकि मोदी सरकार में 15 संस्थान खोले जा रहे हैं।

प्रियंका काबिल हैं और पार्टी उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी: रॉबर्ट वाद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाद्रा ने कहा है कि उनकी पत्नी प्रियंका गांधी बहुत अच्छी सांसद साबित होंगी और उम्मीद जताई कि पार्टी उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी।

वाद्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उन्हें (प्रियंका को) निश्चित रूप से लोकसभा में होना चाहिए। उनके पास काबिलियत है। वह बहुत अच्छी सांसद साबित होंगी और वह वहां होने की हकदार हैं। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी इसे ध्यान मे रखते हुए उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी। वाद्रा ने संसद में उनका नाम उद्योगपति गौतम अडाणी के साथ जोड़ने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी पर प्रहार किया। संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरन, ईरानी ने अडाणी के साथ वाद्रा की एक तस्वीर दिखाई थी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति वाद्रा ने कहा कि वह राजनीति से दूर रहते हैं लेकिन अगर कहीं मेरा नाम आएगा तो मैं बोलूंगा क्योंकि अगर वे कुछ कहते हैं, तो उन्हें उसका सबूत भी देना होगा।

यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि कल के लिए तैयार रहूं : यशस्वी जायसवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लॉडरहिल (अमेरिका)/भाषा। पहले टेस्ट क्रिकेट और फिर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ने वाले प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा के यह अभी शुरुआत है और उन्हें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वह कल के लिए तैयार रहें।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करने वाले 21 वर्षीय जायसवाल ने भारत की तरफ से अपने पदार्पण टेस्ट क्रिकेट मैच में शतक जड़ा और फिर अर्धशतक बनाया।

जायसवाल को इसके बाद जब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिला तो उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मैच में 51 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाए। यह उनका सबसे छोटे प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केवल दूसरा मैच था। जायसवाल ने भारत की नौ विकेट से जीत के बाद कहा, यह अभी केवल शुरुआत है। मैं अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहता हूं। मैं अपने आज के प्रदर्शन से खुश हूं लेकिन मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मैं कल के लिए भी तैयार रहूं।

उन्होंने कहा, यह अर्धशतक वास्तव में खास है। भारत का प्रतिनिधित्व करना गौरवशाली क्षण होता है। निश्चित तौर पर इसके पीछे कड़ी मेहनत छुपी होती है। मैं खुशनसीब हूं कि मैं आज अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहा। भारत ने पांच मैच की शृंखला में लगातार दो मैच हारने के बाद ईशान किशन को शीर्ष क्रम से हटाकर जायसवाल को मौका दिया। उन्होंने शुभमन गिल के साथ मिलकर चौथे टी20 मैच में पहले विकेट के लिए 165 रन जोड़कर भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी की। पिछला रिकॉर्ड रोहित शर्मा और केएल राहुल के नाम था। ऐसे में स्वाभाविक ही यह सवाल पैदा होता है कि क्या यह नए युग की शुरुआत है।

जायसवाल ने इस पर विनम्रता से जवाब दिया, उन्होंने (रोहित और राहुल) ने जो किया है वह अद्भुत है। वे खेल के दिग्गज हैं। हमें बस वह करने की जरूरत है जो हम कर सकते हैं। हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

अच्छा फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना चाहते हैं लक्ष्य सेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का लक्ष्य एशियाई खेलों में पहला पदक जीतना और विश्व रैंकिंग में चोटी के पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता अपनी हाल की शानदार फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना है। सेन ने खराब दौर से गुजरने के बाद हाल में लय हासिल करके जुलाई में कनाडा ओपन में खिताब जीता और इसके बाद अमेरिकी ओपन और जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। अल्मोड़ा के रहने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और उन्हें उम्मीद है कि वह 21 अगस्त से डेनमार्क के कोपेनहेगन में होने वाली प्रतियोगिता में फिर से पदक जीतने में सफल रहेंगे।

सेन ने यहां भारतीय बैडमिंटन संघ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के मौके पर पीटीआई से कहा, विश्व चैंपियनशिप में केवल एक सप्ताह का समय बचा है और मुझे लगता है कि मैंने जो पिछले टूर्नामेंट खेले हैं उनसे वास्तव में मुझे मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। पिछले कुछ टूर्नामेंट में मेरी फॉर्म अच्छी रही लेकिन अब भी कुछ नई चीजें सीखने और सुधार करने की गुंजाइश है। मैंने हाल में कुछ अच्छे मैच खेले हैं और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिलेगा। सेन ने कहा, अगले एक सप्ताह या 10 दिन में मैं वास्तव में अच्छा अभ्यास और उसके बाद विश्व चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेले जाएंगे और सेन का लक्ष्य इन खेलों में पदक जीतना है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में बड़ी प्रतियोगिता है जो चार साल में एक बार आयोजित की जाती है इसलिए यह विशेष है। मैं इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में दो बार खेला हूं।

सुविचार

रिश्तों की लाश लिए घूमते हैं, हम खुद में शमशान लिए घूमते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कांटों का ताज

पाकिस्तान में बलोचिस्तान प्रांत से सीनेट सदस्य अनवार–उल हक काकड़ को कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त कर फौज ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। हालांकि तीर कितना कारगर सिद्ध होगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इतना तय है कि काकड़ ने अपने सिर पर 'कांटों का ताज' पहना है। उनके सामने मुल्क की बदहाल अर्थव्यवस्था है, खजाना खाली पड़ा है और आतंकवादी हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भंग की जा चुकी नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज अहमद के बीच विचार–विमर्श के बाद काकड़ के नाम पर 'सहमति' जरूर बनी, लेकिन आखिरी मोहर रावलपिंडी से ही लगी। फौज इस कुर्सी पर ऐसे व्यक्ति को बैठाना चाहती थी, जो उसकी 'हां में हां' मिलाए और 'हीरो बनने की कोशिश' कर कोई मुसीबत खड़ी न करे, जैसा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के मामले में ग़लत–फ़हमी का शिकार हो गई थी। पाक फौज दूध से मुंह जलाकर छाछ भी फूंक–फूंककर पी रही थी। आखिरकार उसकी खोज काकड़ पर पूरी हुई। काकड़ बलोचिस्तान से आते हैं, लेकिन वे पश्तून हैं। वे बलोचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) के सदस्य हैं, जिसे फौज का 'आशीर्वाद' प्राप्त है। वे ऐसे नेता भी नहीं हैं, जिनका कोई खास जनाधार हो या जिनकी एक आवाज पर पूरे पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतर आएं और फौज के लिए समस्या पैदा कर दें। काकड़ की ये ही कमियां उन्हें कार्यवाहक प्रधानमंत्री के पद तक ले आईं। अगर वे लोकप्रिय नेता होते, जो किसी मुद्दे को लेकर फौज के सामने खड़े हो सकते, तो उन्हें किसी सूरत में यह पद नहीं दिया जाता।

काकड़ को कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाकर फौज ने असंतुष्ट पश्तूनों को साधने की कोशिश की है। इसके अलावा यह संदेश देना चाहती है कि वह बलोचिस्तान के नेताओं को भी उच्च पद दे सकती है। चूंकि बलोचों में अलगाववाद जोरों पर है। बलोचिस्तान में आए दिन फौज पर हमले हो रहे हैं। अभी काकड़ के लिए सबसे बड़ी परीक्षा अर्थव्यवस्था में जान फूंकना है। पाकिस्तानी रुपए ने खुले बाजार में तिहरा शतक लगाते हुए डॉलर के मुकाबले 302 का आंकड़ा छू लिया है। कारोबारियों को डॉलर मिलने में बड़ी दिक्कत हो रही है। हाल में विदेशी कर्ज मिलने के बाद कुछ राहत महसूस हुई थी, लेकिन यह गर्म तवे पर पानी की कुछ बूंदों की तरह है। जैसे ही मांग बढ़ेगी, डॉलर का अकाल शुरू हो जाएगा। इससे आयात बिल बढ़ जाएगा, जिसके नतीजे में महंगाई में वृद्धि होगी। पाक में चर्चा है कि काकड़ आईएमएफ की पसंद हैं। वे उसके निर्देशों को सख्ती से लागू करेंगे, जिसका अर्थ है– जनता पर और ज्यादा आर्थिक बोझ बढ़ेगा। वहीं, पाक मीडिया में चर्चा है कि आईएमएफ चालू वित्त वर्ष में रुपए का 20 प्रतिशत तक अवमूल्यन चाहता है। अगर ऐसा हुआ तो अगले साल जून में डॉलर 330 से 340 रुपए तक जा सकता है। इससे जनता में असंतोष बढ़ेगा, विरोध प्रदर्शन होंगे। अगर मुद्रा का इतना अवमूल्यन पीटीआई या पीएमएल–एन के शासन काल में होता तो जनता के प्रति उनकी जवाबदेही बढ़ जाती। अब ये पार्टियां यह कहने की स्थिति में होंगी कि मुल्क में महंगाई के जिम्मेदार काकड़ हैं, हमने तो इस पर काफी नियंत्रण रखा था। कुल मिलाकर, यह कहना उचित होगा कि पाक फौज को निकट भविष्य में बिगड़ने वाले हालात का ठीकरा फोड़ने के लिए एक व्यक्ति की तलाश थी। सौभाग्य / दुर्भाग्य से अनवार–उल हक काकड़ मिल गए और इस भूमिका के लिए खुशी–खुशी तैयार हो गए।

ट्वीटर टॉक

महिलाओं पर अत्याचार गहलोत सरकार में दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है ,अभी अभी पता चला है की जोधपुर में महिला को काट कर हत्या की गयी धड़ मिला , सर ग़ायब है ।ऐसी जघन्य घटना प्रतिदिन दो दर्जन से अधिक हो रही है , ग्रह मंत्री गहलोत जी इस्तीफ़ा दे दीजिए ।

–अरुण सिंह

राजस्थान सरकार रे राज में आपारी जान री कीमत एक टका भी कौनी, साढ़े चार साला में रोजाना लगभग पाँच सौ संगीन अपराध दर्ज होवै है। साढ़े सात हजार सु ज्यादा निर्दोष लोगा रा मर्डर हौया है और तीस हजार सु ज्यादा अपहरण, दंगा 10 गुना बढ़ गया है।

–राजेन्द्र राठौड़

मारवाड़ के महान योद्धा वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौर की जयंती पर भावपूर्ण नमन। राजस्थान की वीर धरा को आततायी शक्तियों से मुक्ति दिलाने में दुर्गादास जी ने अपनी खड़ग से अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। उनका शौर्य, पराक्रम और मातृभूमि के प्रति समर्पण प्रेरणादाई है।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

निर्मल मन

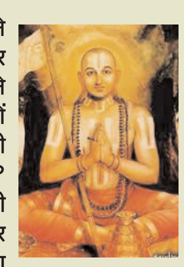

संत रामानुजाचार्य काफी वृद्ध और कमजोर हो जाने के बाद भी प्रात:काल स्नान के लिए नदी तट पर जाया करते थे। वे स्नान करने जाते समय अपने ब्राह्मण शिष्यों का सहारा लेते थे और लौटते समय वंचितों का। लोगों की समझ में यह बात नहीं आ रही थी कि स्वामी जी स्नान के बाद अपने शरीर को शूद्रों से क्यों छुआते हैं? एक दिन उनके एक भक्त से रहा न गया और उसने स्वामी जी से पूछा, 'महाराज! आप स्नान करने के बाद अपने शरीर को वंचितों से क्यों छुआते हैं? ऐसा करने से तो आपका शरीर अपवित्र हो जाता है?' स्वामी जी मुस्कुराकर बोले, 'वत्स! मैं अहंकार दमन का उपदेश देता हूं, तो मेरे भीतर अहंकार नही होना चाहिए। यदि अहंकार रहेगा तो मेरे उपदेश व्यर्थ हैं। स्नान से मेरा शरीर निर्मल होता है, किंतु वंचितों के संसर्ग से मेरा मन पवित्र हो जाता है। शरीर की शुद्धि के साथ–साथ मन की शुद्धि भी परम आवश्यक है।'

सामयिक

अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष बनाम सरकार

अवधेश कुमार
मोबाइल : 98911027208

लोकसभा में तीन दिनों तक चले अविश्वास प्रस्ताव पर बहस ने आगामी 2024 लोकसभा चुनाव तक की राजनीतिक ध्वनियों की दिशा तय कर दी है। राजनीति में सामान्य रुचि रखने वालों में से भी शायद ही कोई हो जिसने अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा अवसर मिलने पर लाइव न देखी या सुनी हो। पार्टियों और नेताओं के लिए यह केवल एक दूसरे को घेरने, उत्तर देने, व्यंग्य और कटाक्ष करने का ही अवसर नहीं होता, बल्कि नेताओं –कार्यकर्ताओं – समर्थकों को बोलने व तर्क करने के लिए विषय–वस्तु, शब्दावलियां भी प्रचुर मात्रा में प्राप्त होती है। कम से कम भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने बोलते समय इस पहलू का अवश्य ध्यान रखा। बावजूद यह संभवतः पहला अविश्वास प्रस्ताव था जिसमें सरकार की ओर से बोलने वालों को विपक्ष के तथ्यों, तर्कों व आरोपी की काट के लिए शोध या छानबीन कर विषयवस्तु लाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। विपक्ष चाहे जितनी अपनी वाहवाही करे कि उसने प्रधानमंत्री को बोलने के लिए विवश कर दिया, सच यह है कि उनकी तैयारी ऐसी नहीं थी जिससे सरकार को घेरा जा सके। विपक्ष के नेताओं का एक भी भाषण नहीं जिसे सुनने के बाद लगे कि सरकार के लिए इसका उत्तर देना कठिन या असंभव होगा या वह निरुत्तर हो जाएंगे। आप आरोप लगाएं, हमले करें और उनमें अधिकृत तथ्य नहीं हो तो संसद की बहस में उसके मायने नहीं होते। सच कहा जाए तो सरकार की ओर से विशेषकर गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण या प्रधानमंत्री तक ने अपनी ओर से ही संबंधित विषय रखे ताकि वह सब संसद के रिकॉर्ड में आ जाए और रुचि रखने वालों को उपलब्ध हो।

आईएनडीआईए के गठन के बाद 26 दलों के संगठित विपक्षी समूह के लिए यह नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल का सबसे बड़ा अवसर था जिसमें वह स्वयं की क्षमता प्रमाणित कर सकते थे। वे साबित कर सकते थे कि हमारे पास इतनी योग्यता है जिससे हम सरकार को उन्हीं के तथ्यों और तर्कों से कटघरे में खड़ा कर सकते हैं, देश के भविष्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समानांतर हर विषय पर हमारे पास ऐसी रूपरेखा और सोच के साथ व्यक्तित्व भी हैं जो बेहतर सरकार चला सकते हैं। क्या कोई स्वीकार करेगा कि आईएनडीआईए इन कसौटियों पर स्वयं को खरा उतारने में सफल हो सका? कांग्रेस की ओर से तरुण गोगोई ने अवश्य अपने भाषण में विषयवस्तु रखें, लेकिन वह इतना प्रभावी नहीं था जिनसे सरकार को उत्तर देने में कठिनाइयां पैदा हो। राहुल गांधी जब दूसरे दिन बोलने के लिए खड़े हुए तो सोचा गया कि भारत जोड़ो यात्रा तथा सजा के कारण चार महीने से ज्यादा समय तक लोकसभा सदस्यता से वंचित रहने के बाद उनके भाषण में अवश्य तथ्यों के साथ कटाक्ष एवं आक्रमण होंगे। आखिर आईएनडीआईए की सबसे बड़ी पार्टी के शीर्ष सक्रिय नेता होने के कारण संसद में आगे बढ़कर अपने वक्तव्य से उन्हें ही नेतृत्व संभालना था। जब आप 37 मिनट के भाषण में 15 मिनट से ज्यादा भारतयात्रा पर बोलेंगे और शेष सरकार को देशद्रोही से लेकर भारत माता की हत्या करने वाले बाबा बताने में ही समय लगा देंगे तो आपके पास मणिपुर से लेकर आर्थिक, सांस्कृतिक, रक्षा, विदेश नीति, आंतरिक सुरक्षा आदि पर बोलने के लिए समय कहां रहेगा। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी का वक्ताओं में नाम भी नहीं था। ऐसा लगता है जब गृह मंत्री अमित शाह ने तंज कसा तो नाम शामिल किया गया। ऐसा लगा जैसे वे प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक, अशोभनीय शब्दों और तुलनाओं की पोटली लेकर उपस्थित हुए हो। परिणामत: भाजपा के सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त से उनकी भीड़ंत होते–होते बची। वीरेंद्र सिंह ने सदन में अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांग लिया पर अधीर रंजन इसके लिए तैयार नहीं हुए। उन्हें न केवल निलंबन झेलना पड़ा बल्कि मामला विशेषाधिकार समिति के पास चला गया है।

सरकार की ओर दृष्टि डालिए तो दो भाषणों पर सबसे ज्यादा ध्यान था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह। संसद के अंदर गृह मंत्री अमित शाह ने अभी तक के भाषणों से योग्यता और क्षमता को बार–बार प्रमाणित किया है। भाजपा के विरोधी टिप्पणीकार भी कह रहे हैं कि उनका भाषण सबसे प्रभावी था क्योंकि उसमें हर उन पहलुओं से संबंधित तथ्यात्मक विवरण और तर्क थे, हर ऐसे प्रश्न के उत्तर थे जो विरोधी लगातार उठाते। इसके साथ उन्होंने अपनी ओर से और ऐसी बातें रख दीं जिनसे सरकार का पक्ष मजबूत होता हो और भाजपा के नेताओं – कार्यकर्ताओं को तो बोलने के लिए विषय वस्तु मिलते ही हो देश के आम लोगों को भी लगे लगे कि वाकई सरकार ने हर स्तर पर काम किया है और आगे भी कर रही है। मणिपुर पर उन्होंने करीब आधा घंटा बोला जिसमें उत्तर–पूर्व की कुछ और कुछ बातें भी थीं। वे अपने भाषण से यह संदेश देने में सफल रहे कि विपक्ष के सारे आरोप निराधार व राजनीति से प्रेरित हैं। मणिपुर में हिंसा भड़कने के 24 घंटे के अंदर ही सरकार ने वे सारे कदम उठाएं और अभी भी सक्रिय है ताकि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं हो।

अधीर रंजन चौधरी का भाषण उनके अगले दिन था। वे गृह मंत्री के भाषण पर फोकस कर विपक्ष की दृष्टि से अपनी बात रखते तो लगता कि वाकई विपक्ष का कोई नेता सरकार को उसके तथ्यों के आईने में घेरने के लिए तैयारी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाषण कला पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं। पूरे अविश्वास प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि प्रधानमंत्री ने अपने व्यंग्य, हास्य व कटाक्षों के साथ उपमा, अलंकारों आदि का प्रयोग कर यह साबित किया कि कठोर से कठोर बातें और तीखे हमले के लिए उग्र होकर गुस्सैल शब्दावलियों का प्रयोग करना हमेशा आवश्यक नहीं होता। उन्होंने विपक्ष विशेषकर कांग्रेस की बखिया उधेड़ दी किंतु बोलने की शैली ऐसी थी जिसमें हंगामा व विरोध का अवसर नहीं मिला। समर्थक हो या विरोधी प्रधानमंत्री को सुनते समय बार–बार हंसी आती थी। उदाहरण के लिए उन्होंने आईएनडीआईए नाम को लेकर यही कहा कि आपने इसके लिए भी एनडीए चुरा लिया तथा आपका इंडिया घमंडइयआ है, जिसमें दो आई एक हम और दूसरा परिवार के लिए है। यह सुनने में सरल लगता है लेकिन ऐसे कटाक्ष के लिए भी काफी सोचना पड़ा होगा। उन्होंने यूपीए की जगह आईएनडीआईए रखने पर भी तंज कसा कि आपने यूपीए का क्रिया कर्म और श्राद्ध कर दिया जिस पर मैं थोड़ी देर से संवेदना प्रकट कर रहा हूं। लेकिन आप खंडहर पर प्लास्टर चढ़ा कर जश्न मना रहे हैं। इंडिया नाम रखने से आप इंडिया नहीं हो सकते हैं और इसके लिए उन्होंने दो पंक्तियां सुनाई – 'दूर युद्ध से भागते नाम रखा रणधीर, भाग्यचंद की आज तक सोई है तकदीर।' इस पर ठहाके तो लगने थे। अविश्वास प्रस्ताव का उपहास उड़ाते हुए उन्होंने कहा कि आपको मैंने 2018 में काम दिया था और मैं आभारी हूं कि आपने उसे पूरा किया। यानी आपने मेरे कहने पर 2023 में अविश्वास प्रस्ताव लाया लेकिन थोड़ी तैयारी करके तो लाते, अब मैं फिर आपको काम दे रहा हूं कि 2028 में आप लाइए लेकिन थोड़ी तैयारी करके लाइए। इस आपा खोने की शैली में हमला किया जा सकता था, लेकिन इस शैली का प्रभाव लंबे समय तक रहेगा। हालांकि उन्होंने समय–समय पर आक्रामकता भी प्रदर्शित की, पर अपने पद और उत्तरदायित्व का ध्यान रखा। देश को यह कहते हुए संबोधित किया कि यह कालखंड महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और विश्व में आर्थिक महाशक्ति बनकर उठकर खड़ा हो रहा है तथा ऐसी कई स्थितियां हैं जिनसे अगले 1000 सालों का आधार बनेगा। इस कारण सबको अपने–अपने दायित्व का पालन करना है। विपक्ष ने सबसे बड़ी गलती बहिर्गमन में जल्दबाजी करके किया। प्रधानमंत्री मणिपुर पर नहीं बोल रहे हैं तो इसी का बहाना बनाकर निकल जाओ। उसके बाद प्रधानमंत्री ने मणिपुर और पूर्वोत्तर पर भी बोला। यह विश्वास दिलाते हुए कि मणिपुर में भी शांति का सूरज चमकेगा और मिलकर वहां इसके लिए प्रयास करने की अपील की। उन्होंने मणिपुर के लोगों से भी अपील की। इस तरह प्रधानमंत्री का अविश्वास प्रस्ताव पर उत्तर देश के नेता का उत्तर था जिसमें विपक्ष की आलोचना थी, राजनीति में संसद के अंदर और बाहर तनाव और उग्र हिंसाजनक शब्दों को देखते हुए उसे व्यंग्य और हास्य से ठंडा करने की कोशिश थी तो देश के अंदर आत्मविश्वास पैदा करने का भाव भी। चूंकी विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाकर भी मैदान खाली छोड़ दिया था इसलिए प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं दो–तीन दूसरे नेताओं के लिए अपने तरीके से बात रखने का पूरा अवसर था। आईएनडीआईए गठबंधन के बाद अगर अविश्वास प्रस्ताव को लेकर नेताओं की बैठक होती और नेताओं को अलग–अलग विषय बोलने के लिए दिए जाते तो स्थिति दूसरी होती। विपक्ष के व्यवहार से यही संदेश निकला कि राजनीतिक विवशताओं के चलते वे साथ आ गये, पर उनके बीच सरकार से मुकाबले के लिए भी समन्वय और सामंजस्य का अभाव है। हालांकि सरकार की ओर से भी कई वक्ताओं के भाषण प्रभावी और स्तरीय नहीं थे, पर कुल मिलाकर समन्वय और सामंजस्य के साथ परिश्रम और तैयारी की पूरी झलक थी।

विशेष

नई संभावनाओं का प्रभामंडल लेकर आया स्वतंत्रता दिवस

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है,और इसे हम लेकर रहेंगे यह घोषणा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने की थीश्र सचमुच स्वतंत्रता के बिना जीवन व्यर्थ है। पराधीन मनुष्य ना तो सुखी जीवन जी पाता है और ना ही अपनी इच्छाओं के अनुकूल जीवन व्यतीत कर पाता है। इसीलिए कहा गया है 'पराधीन सपनेहु सुख नाही'। प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्वतंत्रता विशेष महत्व रखती है, और कई वर्ष पराधीन रहने के बाद स्वतंत्रता हासिल हुई हो तो ऐसी स्वतंत्रता का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। हमारा देश भारत सदियों से परतंत्रता के बाद 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था, पर इस पर ओलंपिक और कामनवेल्थ खेलों में में कमाल करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास और आनंद में तब्दील कर दिया है। यह अमृत महोत्सव हमें हमेशा याद दिलाता रहेगा की भारत को विश्व गुरु होना है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नए भारत को जन्म दिया जाना है, हमारी युवा शक्ति, युवा पीढ़ी इस देश को अजर अमर बनाने में सदैव प्रयत्नशील रही है श्र भारत का हजारों वर्ष पुराना इतिहास है, इस लंबे इतिहास में कई विदेशी आक्रमणों का सामना करना पड़ा हैश्र अधिकतर विदेशी आक्रमणकारी यहां रहने के दौरान भारतीय सभ्यता संस्कृति में इस तरह घुल मिल गए मानो वह भारत के मूलनिवासी है. विदेशी आक्रमणकारियों के आगमन एवं यहां की सभ्यता संस्कृत में घुल मिल जाने का सिलसिला मध्यकालीन मुगलों के शासन तक चलता रहा। 18 वीं शताब्दी में जब अंग्रेजों ने भारत के कुछ हिस्सों पर अधिकार जमाया तो पहली बार भारत की जनता को गुलामी का एहसास हुआ। आक्रमणकारी अंग्रेजों ने भारत देश को गुलाम बनाकर अपने स्वयं के देश को धन धान्य से पूर्ण करने के लिए भारत की धरती का संपूर्ण दोहन कर धन को इंग्लैंड भेजते रहे, बाद में तो अंग्रेजों ने मुगल शासकों को परास्त कर पूरे भारत पर आधिपत्य ही कर लिया था। पर आजादी और स्वतंत्रता के दीवानों ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंक दिया था।

संघर्ष में भारत माता के असंख्य वीर पुत्र शहीद हुए, कई युवा अंग्रेजों के जुल्म का शिकार हुए, मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने वाले बहुत से वीरों को जेल की सलाखों के पीछे जीवन व्यतीत भी करना पड़ा। कई वीर सपूतों को काला पानी की सजा भी झेलनी पड़ी। आजादी का यह संघर्ष वर्ष 1947 तक चला। सदियों से गुलामी के बाद 1947 में जब भारत आजाद हुआ। तब भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले पर स्वतंत्रता का तिरंगा फहराया और पूरे भारत देश के नागरिकों ने आजादी की सांस लीश्र आज भी हम शहीदों को उनकी कुर्बानी के लिए याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस अमृत महोत्सव में राम प्रसाद बिस्मिल की कहिए पंक्तियां सदैव याद आती हैं – शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशा होगा। जिस तरह खून और पसीना बहा कर हमारे खिलाड़ियों ने जापान ओलंपिक 2020 में 7 पदक और कॉमनवेल्थ खेलों में 22 स्वर्ण पदक लाया हैं, उसी तरह उससे कहीं ज्यादा अथक प्रयास कर भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपने खून तथा पसीने से आजादी पाई थी। आज हम उनको याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। साथ ही स्वतंत्रता का सही मूल्यांकन भी हम सभी को करना होगा और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व त्यागना होगा। तब जाकर स्वतंत्रता का 76 वां अमृत महोत्सव का सच्चा मायने होगा. हमें हर हाल में सांप्रदायिक ताकतों एवं देश की विघटनकारी शक्तियों का विरोध कर अपनी राष्ट्रीय एकता को बचा कर रखना होगा।

चिंतन

बदलेंगे अंग्रेजों के जमाने के कानून

डॉ सत्यवान सौरभ,
मोबाइल : 9466526148

ग्यारह अगस्त 2023 को ब्रिटिश काल के 164 साल पुराने कानूनों को बदलने के लिए तीन नए विधेयक संसद में पेश किए गए। प्रतिस्थापित किए जाने वाले तीन कानून हैं – भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। पेश किए जा रहे तीन नए विधेयक हैं भारतीय न्याय संहिता विधेयक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक और भारतीय साक्ष्य विधेयक। जिन कानूनों को निरस्त किया जाएगा... उन कानूनों का फोकस ब्रिटिश प्रशासन की रक्षा करना और उन्हें मजबूत करना था, विचार दंडित करना था न कि न्याय देना। उन्हें प्रतिस्थापित करके, नए तीन कानून लोगों के अधिकारों की रक्षा करने की भावना लाएंगे।

इसका उद्देश्य सज़ा देने के बजाय न्याय प्रदान करना है। ये आतंकवाद, मॉब–लिंचिंग और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे मुद्दों को संबोधित करेंगे। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली, जिसने 1860 से 2023 तक ब्रिटिश–निर्मित कानूनों का पालन किया है, महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है क्योंकि तीन कानूनों को बदलने की योजना है। यह बदलाव देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। भारतीय संहिता सुरक्षा विधेयक की धारा 150 राजद्रोह की वैकल्पिक सजा को 3 से 7 साल तक बढ़ाने के लिए भारत के विधि आयोग की सिफारिश पर विचार करती है। आयोग ने देश की सुरक्षा और एकता को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए 153 साल पुराने राजद्रोह कानून को बरकरार रखने का सुझाव दिया है। आईपीसी की धारा 124ए (देशद्रोह कानून) को भी संशोधित कर आयोग राजद्रोह कानून को बदलने का प्रस्ताव करता है, जो वर्तमान में आजीवन कारावास या 3 साल तक की सजा की अनुमति देता है, वैकल्पिक रूप से 7 साल की सजा। इससे अदालतें गंभीरता के आधार पर दंड तय कर सकेंगी। मॉब लिंचिंग पर एक नए प्रावधान से, सात साल की कैद या आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान; वीडियो ट्रायल, एफआईआर की ई–फाइलिंग के माध्यम से त्वरित न्याय को सक्षम करना; राजद्रोह की परिभाषा का विस्तार; भ्रष्टाचार, आतंकवाद और संगठित अपराध को दंडात्मक कानूनों के तहत लाना; सजा के नए रूपों के रूप में सामुदायिक सेवा और एकांत कारावास की शुरुआत करना; किसी अभियुक्त की अनुपस्थिति में सुनवाई करना; और कपटपूर्ण तरीकों का उपयोग करके यौन संबंधों से संबंधित महिलाओं के खिलाफ अपराध के दायरे का विस्तार करना – नए विधेयक आपराधिक न्यायशास्त्र में महत्वपूर्ण बदलाव प्रदान करते हैं।

भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 44 भीड़ के हमलों जैसे घातक हमलों के खिलाफ आत्मरक्षा की अनुमति देती है। धारा 31 कहती है कि नेक इरादे से संचार के माध्यम से अनजाने में नुकसान पहुंचाना अपराध नहीं है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत यदि आरोपी मुकदमे के दौरान अधिकतम सजा की आधी सजा काट लेता है तो उसे जमानत मिल जाती है। कुछ अपराधों का लक्ष्य लिंग–तटस्थ होना है। भारतीय न्याय संहिता में आतंकवाद और संगठित अपराध से संबंधित अपराध भी शामिल हैं। इन विधेयकों के आने से देश की न्यायिक व्यवस्था में काफी सुधार आएगा।

आपराधिक न्याय प्रणाली ब्रिटिश औपनिवेशिक न्यायशास्त्र की प्रतिकृति है, जिसे राष्ट्र पर शासन करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया था, न कि नागरिकों की सेवा करने के लिए। आपराधिक न्याय प्रणाली का उद्देश्य निर्दोषों के अधिकारों की रक्षा करना और दोषियों को दंडित करना था, लेकिन आजकल यह प्रणाली आम लोगों के उत्पीड़न का एक साधन बन गई है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, न्यायिक प्रणाली में, विशेषकर जिला और अधीनस्थ अदालतों में लगभग 3.5 करोड़ मामले लंबित हैं, जो इस कहावत को चरितार्थ करता है कि न्याय में देरी, न्याय न मिलने के समान है। भारत में दुनिया के सबसे अधिक संख्या में विचाराधीन कैदी हैं।

नए प्रकार के दंड जैसे सामुदायिक सेवा आदेश, पुनर्स्थापन आदेश और पुनर्स्थापनात्मक और सुधारात्मक न्याय के अन्य पहलुओं को भी इसके दायरे में लाया जा सकता है। अपराधों का वर्गीकरण भविष्य में अपराधों के प्रबंधन के लिए अनुकूल तरीके से किया जाना चाहिए। आईपीसी के कई चैप्टर कई जगहों पर ओवरलोडेड है। लोक सेवकों के खिलाफ अपराध, प्राधिकरण की अवमानना, सार्वजनिक शांति और अतिचार के अध्यायों को फिर से परिभाषित और संकुचित किया जा सकता है। किसी कार्य को अपराध घोषित करने से पहले पर्याप्त बहस के बाद मार्गदर्शक सिद्धांतों को विकसित करने की आवश्यकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भारत के साथ संबंध महत्वपूर्ण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका के बीच विशेष रूप से रक्षा और नई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में एक टिकाऊ साझेदारी चीन के आक्रामक व्यवहार का मुकाबला करने तथा यूक्रेन संकट के परिणामों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने यहां रविवार को यह कहा। थानेदार ने एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिकी संसद में यह आम राय है कि नई दिल्ली के साथ वाशिंगटन के संबंध अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद, अमेरिकी सांसदों के उस द्विदलीय समूह का हिस्सा हैं जो 15 अगस्त को ऐतिहासिक लाल किले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन सहित कई कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए के लिए भारत आये हैं।

थानेदार ने कहा कि भारत के साथ घनिष्ठ संबंधों के लिए अमेरिका में द्विदलीय समर्थन है और यह 23 जून को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संबोधित करने के दौरान उनका डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी, दोनों दलों द्वारा गर्मजोशी से किये गए स्वागत से स्पष्ट था।

थानेदार ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा बहुत महत्वपूर्ण थी। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच की आपसी समझ और मित्रता ने इस बात का संकेत दिया कि हम अपने संबंधों के अगले दौर में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी भारत यात्रा का उद्देश्य उस रिश्ते को चिरस्थायी मित्रता में तब्दील करना है। अमेरिकी सांसदों के द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना और सांसद माइकल वाल्ट्ज कर रहे हैं। दोनों भारत और भारतीय अमेरिकियों पर द्विदलीय अमेरिकी कॉकस के सह-अध्यक्ष हैं।

थानेदार ने कहा, फिलहाल, अमेरिकी संसद में यह आम धारणा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन की आक्रामकता को ध्यान में रखते हुए भारत के साथ यह संबंध अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

भारत में लड़ाकू विमान के इंजन बनाने के लिए विमान इंजन निर्माता अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बीच समझौते के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संकेत दिया कि इसका अमेरिकी संसद द्वारा अनुमोदन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान, जीई एयरोस्पेस और एचएएल ने भारत में एफ414 इंजन का विनिर्माण करने के लिए वाशिंगटन में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी की इस यात्रा के दौरान, भारत की अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (एचएएलई) ड्रोन खरीदने की योजना को भी अंतिम रूप दिया गया। थानेदार ने कहा, मुझे उम्मीद है कि ड्रोन सौदे और जेट इंजन परियोजना दोनों को अमेरिका में अनुकूल प्रतिक्रिया मिलेगी।

थानेदार ने कहा कि चीन के आक्रामक व्यवहार और उसकी अनुचित व्यापार नीतियों को देखते हुए अमेरिका भारत को एक मजबूत साझेदार बनाना चाहता है। उन्होंने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अमेरिका और भारत अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्रों में एकसाथ काम करें, रक्षा प्रौद्योगिकियों में नवाचार पर ध्यान केंद्रित करें - चाहे वह ड्रोन हो, या जेट इंजन। उन्होंने कहा, यह सहयोग चीन और रूस को यह कड़ा संदेश देने में काफी मदद करेगा कि उनकी आक्रामकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वैश्विक समस्याओं के समाधान में धार्मिक नेता दे सकते हैं अहम योगदान: लोकेश मुनि

वाशिंगटन/भाषा

जैन समुदाय के प्रतिष्ठित धार्मिक नेता आचार्य लोकेश मुनि ने कहा है कि दुनिया के प्रमुख धर्मों एवं आस्थाओं के नेता मानवता के सामने मौजूद यूक्रेन युद्ध जैसी बड़ी चुनौतियों का समाधान करने और स्थायी शांति स्थापित करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

आचार्य मुनि ने 14 अगस्त से 18 अगस्त तक शिकागो में होने वाली 2023 विश्व धर्म संसद से पहले 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा, मैं शिकागो में यही संदेश लेकर पहुंचा हूं।

इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में 80 देशों से करीब 10,000 प्रतिनिधि शामिल होंगे। लोकेश मुनि विश्व के उन कुछ धार्मिक नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें पूर्ण सत्र में वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया है।

आचार्य मुनि ने कहा, अब समय आ गया है कि विश्व के नेता शांतिपूर्ण एवं समृद्ध समाज एवं दुनिया के लिए एक रूपरेखा तैयार करें। उन्होंने कहा कि विश्व के प्रमुख धर्मों और आस्थाओं के नेता मानवता के सामने मौजूदा प्रमुख चुनौतियों को हल करने और ऐसे समय में स्थायी शांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, तब यूक्रेन में युद्ध जारी है।

जैन मुनि ने कहा कि मानवता जिन समस्याओं से जूझ रही है, उनमें से किसी का भी समाधान युद्ध, हिंसा एवं आतंक नहीं है तथा सभी मतभेदों एवं विवादों को वार्ता के जरिए सुलझाया जा सकता है। उन्होंने युक्रेन में जारी युद्ध के संदर्भ में कहा कि वर्षों के युद्ध के बाद भी जंग केवल वार्ता के जरिए ही समाप्त होती है, तो इंतजार क्यों करना? वार्ता और कूटनीति को अभी शुरू किया जाए।

लोकेश मुनि ने कहा, युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता अहम है। मेरी अगले सप्ताह विश्व धर्म संसद में इस मामले को उठाने की योजना है।

हजारों लोगों ने जोहानिसबर्ग के प्रसिद्ध वांडरर्स स्टेडियम में 'इंडिया डे' मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका में भारत के स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए वांडरर्स स्टेडियम में आयोजित 'इंडिया डे' कार्यक्रम में करीब 15 हजार लोगों ने हिस्सा लिया।

दक्षिण अफ्रीका के आर्थिक केंद्र जोहानिसबर्ग में रह रहे और कार्य कर रहे भारतीयों के संगठन 'इंडिया क्लब' द्वारा इस कार्यक्रम की मेजबानी की गई और इस दौरान लगातार 12 घंटे तक पूरे भारत के अलग-अलग नृत्यों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया।

इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। दक्षिण अफ्रीका में कार्य कर रही कई भारतीय कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए थे जिनमें उनके उत्पाद और सेवाओं को प्रदर्शित किया गया जबकि खाने पीने की दुकानों पर भारत और दक्षिण अफ्रीका के व्यंजनों को स्वाद चखने के लिए लोगों की कतार दिखी।

'इंडिया क्लब' के अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा, हम बढ़ते समर्थन से बहुत ही खुश हैं और यह समर्थन न केवल भारतीय समुदाय से मिल रहा है बल्कि दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले अन्य समुदाय भी साथ आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे 15 अगस्त का जश्न सुविधानुसार सप्ताहांत में आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि 'इंडिया क्लब' हर साल इस कार्यक्रम का आयोजन करता है, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण उसे दो साल तक 'इंडिया डे' के आयोजन को स्थगित करना पड़ा।

गुप्ता ने बताया, हम 15 अगस्त को भारत की आजादी को मनाने के लिए 15 साल पहले जोहानिसबर्ग के उपनगर रैंडबर्ग के शॉपिंग सेंटर में छोटे स्तर पर शुरुआत की थी और कुछ साल बाद हमने लोकप्रिय 'जू लेक' मैदान में इसे मनाने की शुरुआत की। उन्होंने कहा, कोविड-19 महामारी के कारण दो साल तक हमारे 'इंडिया डे' आयोजित करने की योजना में बाधा आई, लेकिन पिछले साल हमने अनुभव किया कि जू लेक मैदान भी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए छोटा पड़ रहा है, इसलिए हम वांडरर्स स्टेडियम आए जो गत रात पूरी तरह से भर गया था।

दक्षिण अफ्रीका में नवनियुक्त उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने कहा, मैं भारत से बाहर हूं, लेकिन अभी महसूस कर रहा हूं कि मैं वापस भारत में ही हूं। मैं पूरे भारत को यहां देख रहा हूं। कई लोग भारत के अलग-अलग क्षेत्रों और राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

सिर चढ़कर बोल रहा है रजनीकांत का जादू

मुंबई/एजेन्सी

साउथ इंडियन मूवीज के सुपरस्टार रजनीकांत (72) की फिल्म 'जेलर' भी पूरे देश में धूम मचा रही है। रजनीकांत ने दो साल बाद इस मूवी से सिल्वर स्क्रीन पर कमबैक किया है।

उनका क्रेज ऑडियंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म गुरुवार (10 अगस्त) को रिलीज हुई थी और इसने 3 दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा छू लिया। जिस तरह से रजनीकांत की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही है उसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि जेलर 15 अगस्त के दिन 200 करोड़ के आंकड़े को छूने में सफल हो जाएगी।

हालांकि हिन्दी बेल्ट के राजस्थान सर्किट में इस फिल्म को न के बराबर शो में प्रदर्शित किया गया है, लेकिन इन सीमित शोज में उसे देखने वाले दर्शकों की तादाद में लगातार वृद्धि हो रही है।

'जेलर' ने तीसरे दिन शनिवार को 35 करोड़ की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कलेक्शन 109.10 करोड़ रुपए हो गया है। फिल्म ने पहले दिन 48.35 करोड़ की कमाई की थी, जिसमें 37.6 करोड़ केवल तमिल भाषा की थी, 10.2 करोड़ तेलुगु, 0.2 कन्नड़ और 0.35 हिंदी भाषा में थी। दूसरे दिन फिल्म ने 25 करोड़ कमाए। फिल्म दुनियाभर में कमाई के आधार पर 150 करोड़ के क्लब में शामिल होने को तैयार है। फिल्म 225 करोड़ के बजट में बनी है। बताया जा रहा है कि रजनीकांत ने 110 करोड़ की फीस ली है। फिल्म में राम्या कृष्णन, मोहनलाल, जैकी श्रॉफ, तमन्ना भाटिया, विनायकन और योगी बाबू ने भी अपनी छाप छोड़ी है।

अमिताभ बच्चन दुनिया में भारत के सबसे बड़े राजदूत हैं : खन्ना

वाशिंगटन/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन दुनिया में भारत के सबसे बड़े राजदूत हैं। एक शीर्ष भारतीय-अमेरिकी संसद सदस्य ने यह बात कही। अमेरिकी सांसद रो. खन्ना ने शनिवार को मुंबई में अमिताभ बच्चन (80) से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की। खन्ना, 'कांग्रेशनल इंडिया कॉकस' के सह-अध्यक्ष हैं और वह इंडिया कॉकस के अन्य सह-अध्यक्ष व अमेरिकी सांसद माइकल वाल्ट्ज के साथ भारत में एक द्विदलीय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने कृत्रिम मेधा (एआई)...भारत के उत्थान, बच्चन के पिता और अमेरिका-भारत संबंधों के महत्व पर एक घंटे तक व्यापक चर्चा की। अमिताभ बच्चन के जीवन की कहानी भारत की कहानी का प्रतीक है। वह दुनिया में भारत के सबसे बड़े राजदूत हैं। खन्ना ने एक सवाल के जवाब में कहा, मैंने श्री बच्चन से कहा कि उन्हें फिर से अमेरिका का दौरा करना चाहिए। वह मेरे परिवार और माता-पिता जैसे कई भारतीय अमेरिकी प्रवासियों को आशा प्रदान करते हैं। वह भारत और भारतीय-अमेरिकियों के उत्थान के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, हमने शाश्वत मूल्यों - करुणा, सम्मान, विचार, सहानुभूति - के महत्व पर चर्चा की और ये मूल्य अंततः हमारे भविष्य के लिए कितने अधिक मायने रखते हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गये एक वीडियो में खन्ना, मुंबई में बच्चन के आवास पर उनसे मुलाकात करते नजर आते हैं। बच्चन ने इस वीडियो के जवाब में लिखा, एक सम्मान और विशेषाधिकार। अमेरिकी सांसद ने अपनी मुंबई यात्रा के दौरान अभिनेता अनुपम खेर से भी मुलाकात की।

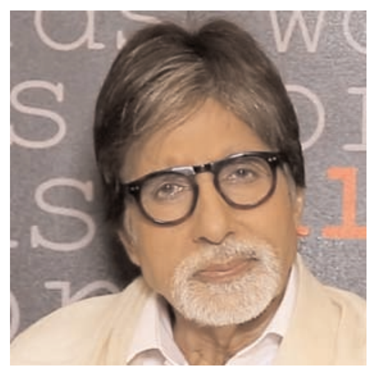

ईशा देओल ने रखी 'गदर 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग, साथ नजर आए चारों भाई-बहन

मुंबई/एजेन्सी

'गदर 2' की रिलीज ने सनी देओल की जिंदगी में काफी बदलाव किए हैं। देओल परिवार अब पहले से भी ज्यादा करीब आ गया है। सनी की बहनें ईशा और अहाना, भाई सनी और बॉबी के करीब आ गई हैं। दरअसल दो दिन पहले शुक्रवार को सनी ने फिल्म की स्क्रीनिंग रखी थी। इस मौके पर सेलेब्स के साथ सनी के परिवार के लोग भी पहुंचे थे। हालांकि ईशा और अहाना किसी कारणवश वहां नहीं आ पाई थी, लेकिन अब ईशा ने भाई को सरप्राइज दिया है।

ईशा ने 'गदर 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग की। इस मौके पर सनी, बॉबी और अहाना नजर आए। 40 सालों में ऐसा पहली बार देखा गया, जब सनी के लिए बहनों ने कुछ स्पेशल किया हो। पिछले कुछ दिनों से ईशा कई ऐसी पोस्ट कर रही हैं, जिनसे साफ हो रहा है कि उनके और सनी के परिवार के बीच जरा भी दूरियां नहीं हैं।

पिछले दिनों ईशा, सनी के बेटे करण देओल की शादी में नहीं गई थीं, जिसको लेकर काफी सवाल उठे थे। हालांकि बाद में ईशा ने करण और दृषा को शादी की बधाई दी थी। इसके बाद ईशा ने 'गदर 2' का ट्रेलर पोस्ट किया था और रिलीज से एक दिन पहले ही फिल्म के लिए सोशल मीडिया पर चियर किया।

इंडस्ट्री में बड़े निर्देशकों के साथ काम करना हमेशा से मेरी इच्छा थी : मोना सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मोना सिंह अपनी हालिया रिलीज मेड इन हेवन सीजन टू की सफलता से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि रीमा कागती, जोया अख्तर और अलंकृता श्रीवास्तव के साथ काम करना हमेशा से उनकी इच्छा रही है। मोना ने कहा, मेड इन हेवन सीजन 2 में मेरे प्रदर्शन के लिए मुझे जो प्रशंसा मिल रही है, वह अभिभूत करने वाली है। मैं इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने के लिए बहुत आभारी हूं और इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया पाकर मैं खुश हूं। इतने शानदार कलाकारों और उद्योग के सबसे बड़े निर्देशकों के साथ काम करना हमेशा से मेरी इच्छा रही है, और न केवल निर्देशकों से बल्कि सोशल मीडिया पर भी मेरे किरदार बुलबुल के प्रति इतना स्नेह देखना अविश्वसनीय है। जब मैंने किरदार के लिए शूटिंग शुरू की, तो मुझे यकीन था कि एक बार जब लोग शो देखना शुरू कर देंगे, तो यह उनके साथ जुड़ जाएग। बहुप्रतीक्षित शो को इतना प्यार देने और मेरे किरदार बुलबुल को पसंदीदा बनाने के लिए मैं सभी की आभारी हूं। 'मेड इन हेवन' एक रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज है। यह सीरीज दिल्ली में मेड इन हेवन नामक एजेंसी चलाने वाले दो वेडिंग प्लानर तारा और करण के जीवन कस बारे में बताती है।

डूडल के माध्यम से गूगल ने श्रीदेवी को दिया ट्रिब्यूट

मुंबई/एजेन्सी

हिन्दी सिनेमा की सुपर सितारा रही श्रीदेवी आज भले ही दुनिया में नहीं हो लेकिन वे अपने अभिनय और खूबसरती के दम पर दर्शकों के दिलों में आज भी जिंदा हैं। श्रीदेवी का आज यानी 13 अगस्त को 60वां जन्मदिन है। उनके चाहने वाले उन्हें तहे दिल से याद कर रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल ने भी श्रीदेवी की याद में उनके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए एक शानदार डूडल बनाया है। डूडल के माध्यम से गूगल ने श्रीदेवी को ट्रिब्यूट दिया है। गूगल ने अपने होमपेज पर मुंबई बेस्ड गेस्ट ऑर्टिस्ट भूमिका मुखर्जी के द्वारा श्रीदेवी की प्यारी सी तस्वीर बनाकर उन्हें याद किया है। श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को एक तमिल परिवार में हुआ था। उनका असली नाम अम्मा यंगर अय्यपन था परंतु उन्हें बॉलीवुड में श्रीदेवी के नाम से पहचान मिली। श्रीदेवी ने 4 साल की उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। 19 साल की उम्र में अमोल पालेकर की फिल्म 'सोलवा सावन' में एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड में डेब्यू किया। श्रीदेवी ने 'चांदनी', 'लम्हे', 'मिस्टर इंडिया', 'चालबाज', 'नगीना', 'सदमा', 'इंग्लिश विंग्लिश' जैसी फिल्मों में यादगार रोल निभाए। आखिरी बार वह 2017 में आई फिल्म 'मॉम' में दिखी थीं और शानदार अभिनय के लिए उन्हें नेशनल अवार्ड भी मिला था। श्रीदेवी की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी शादी 1996 में फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर के साथ हुई थी। उनके दो बेटियां जाह्नवी और खुशी कपूर हैं। श्रीदेवी ने 24 फरवरी 2018 को दुबई में अंतिम सांस ली थी।

श्वेता के लिए आसान नहीं था मिर्जापुर की गोलू का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

पॉपुलर वेब सीरीज मिर्जापुर की 'गोलू गुप्ता' यानी एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'कालकूट' को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। इस सीरीज में उन्होंने एसिड अटैक सर्वाइवर का किरदार प्ले किया है, इस रोल की वजह से उन्हें काफी सराहना मिल रही है। इस दौरान अभिनेत्री ने एक समाचार एजेंसी को दिए गए साक्षात्कार में बताया कि 'कालकूट' में एक एसिड अटैक सर्वाइवर की भूमिका उन्हें कैसे मिली। उन्होंने कहा, मैं सुमित को 10 साल से ज्यादा समय से जानती हूं। हमने साथ में एक शॉर्ट फिल्म की। सुमित ने मुझे स्क्रिप्ट भेजी और फिर पूछा कि आप कौन सा पार्ट करेंगी। मैंने पारुल कहा और पढ़ते समय मैंने नहीं सोचा था कि मैं पारुल का किरदार निभा सकती हूं और फिर मुझे लगा कि अगर मुझे एसिड अटैक सर्वाइवर का किरदार निभाने का मौका मिल रहा है, तो क्यों नहीं।'

पॉपुलर वेब सीरीज मिर्जापुर की 'गोलू गुप्ता' यानी एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'कालकूट' को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। इस सीरीज में उन्होंने एसिड अटैक सर्वाइवर का किरदार प्ले किया है, इस रोल की वजह से उन्हें काफी सराहना मिल रही है। इस दौरान अभिनेत्री ने एक समाचार एजेंसी को दिए गए साक्षात्कार में बताया कि 'कालकूट' में एक एसिड अटैक सर्वाइवर की भूमिका उन्हें कैसे मिली। उन्होंने कहा,मैं सुमित को 10 साल से ज्यादा समय से जानती हूं। हमने साथ में एक शॉर्ट फिल्म की। सुमित ने मुझे स्क्रिप्ट भेजी और फिर पूछा कि आप कौन सा पार्ट करेंगी। मैंने पारुल कहा और पढ़ते समय मैंने नहीं सोचा था कि मैं पारुल का किरदार निभा सकती हूं और फिर मुझे लगा कि अगर मुझे एसिड अटैक सर्वाइवर का किरदार निभाने का मौका मिल रहा है, तो क्यों नहीं।'

अपनी बात को जारी रखते हुए श्वेता ने आगे कहा, एसिड हमले की पीड़िता के रूप में मैंने कई चीजें खोजी और देखीं, जिन्हें हम अक्सर हल्के में ले लेते हैं। हमने सुंदरता का भ्रम पैदा कर लिया है, बिल्कुल वैसा ही जैसा हमारी त्वचा दिखती है और हमारे बाल जैसे दिखते हैं।

यहां तक कि अगर कोई पिंपल निकल भी आए तो लोग अपने रूप-रंग को लेकर शर्मिंदगी महसूस करने लगते हैं। लेकिन, अगर हम इसे स्वीकार करते हैं, अगर हम इस तरह की किसी चीज़ से परेशान नहीं हैं, तो हम किसी भी चीज़ को वह शक्ति नहीं दे रहे हैं। पिंपल्स होना सामान्य है और त्वचा का रुखा होना भी सामान्य है। वहीं, जब उनसे अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका के बारे में पूछा गया, तो एक्ट्रेस ने कहा, मिर्जापुर' के तीन सीजन हैं, मैंने आज तक किसी भी शो के तीन सीजन नहीं किए हैं। यह काफी अलग है तो, अगर हम इस तरह से देखें, तो गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण था। अपनी अपकमिंग वेब सीरीज और फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं, जो कठिन परिस्थितियों में मजबूत व्यवहार करते हैं। गोलू गुप्ता पारुल से बिल्कुल अलग हैं। मिर्जापुर 3 का पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। साल के अंत में, हम 'ये काली काली आंखें' की शूटिंग शुरू करेंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्वेता त्रिपाठी ओटीटी की दुनिया के पॉपुलर वेब सीरीज मिर्जापुर 3 और यह काली काली आंखें के दूसरे सीजन का हिस्सा हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस विजय वर्मा की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'कालकूट' में नजर आई थीं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो बेंगलूरू नॉर्थ के जेबीएन पायोनियर्स की एक उत्साहवर्धक बैठक का आयोजन हुआ। साझा बुद्धि के साथ विकास को प्रज्ज्वलित करने के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन किया गया। ज्ञान का साझाकरण और सहयोग के माध्यम से अपने सदस्यों के बीच विकास और संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

जीतो चैप्टर द्वारा ट्रक चालकों को 'सुरक्षा किट' का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां रविवार को मैसूरु में जीतो चैप्टर द्वारा श्रमण आरोग्यम के 1008 ट्रक ड्राइवर को 'सुरक्षा किट वितरण' का कार्यक्रम की शानदार शुरुआत प्रारंभ मैसूरु के पैलेस परिसर से हुआ है। रविवार को सुबह आचार्य श्री तीर्थ भद्र सूरीश्वरजी आदि संतों के साथ आए बसंत मुनिजी, प्रज्वल मुनि पधारे। साध्वीश्री भी आर्शीवाद देने के लिए पहुंची।

नमस्कार मंगलाचरण करते हुए दीप प्रज्ज्वलन करने के लिए सभी मुख्य अतिथियों के द्वारा किया गया। आज के मुख्य अतिथि मैसूरु राजवंश के श्री यदुवीरजी कृष्णराजा वाडियार एवं श्रीमती त्रिशिका देवी एवं केकेजी जोन के चेयरमैन अशोककुमार सालेचा, मुख्य सचिव दिलीप जैन, उपाध्यक्ष प्रवीण जैन, श्रमण आरोग्यम चेयरमैन कन्वेनर महावीर जैन, अल्पसंख्यक संयोजक कविता जैन आदि उपस्थित थे। गुरुदेव के आशीवर्चन के साथ ही जीतो लेडीज विंग के उड़ान कार्यक्रम का पोस्टर यदुवीर व त्रिशिका वाडियार एवं केकेजी जोन के साथ लाभार्थी परिवार एवं जीतो मैसूरु टीम ने मिलकर पोस्टर का विमोचन किया।

अल्पहार के मुख्य लाभार्थी मोहनीदेवी छगनलाल मुथा दिलीपकुमार जैन परिवार का सम्मान महाराज यदुवीर ने साफा पहनाकर और शॉल ओढाकर किया।

मैसूरु जीतो चैप्टर चेयरमैन कांतिलाल जैन, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, उपाध्यक्ष राजेश सालेचा महेंद्र जैन, खजांची विनोद जैन, श्रमण आरोग्यम कन्वेनर राजन बागमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजेन्द्र सालेचा, सचिव प्रेम पालरेचा, सहखजांची नेमिचंद श्रीमाल एवं जीतो परिवार के सदस्य, लेडीज विंग एवं यूथ विंग के ससभी सदस्य इस मौके पर उपस्थित थे।

श्रमण आरोग्यम योजना के तहत टोकन स्वरूप आज दस ट्रक चालकों को अतिथियों द्वारा 'सुरक्षा किट' वितरित किए गए। ड्राइवरों को उनकी सुरक्षा के लिए दिए गए इस सुरक्षा किट में टूल्स, फर्स्ट एड दवाई, गुरु भगवंतों के चित्र, टी शर्ट, टार्च आदि का समावेश है। साथ ही सभी ड्राइवरों से सुबह के समय विहार करने वाले जैन संतों की सड़क पर सुरक्षा के बारे में भी बताया गया। धन्यवाद मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने दिया।

वर्धमान शक्रस्तव एवं अष्टोत्तरी अभिषेक का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। यहां श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में साध्वीश्री परागप्रभा, साध्वीश्री अक्षयप्रभा, साध्वीश्री विरागप्रभा और साध्वीश्री पराथप्रभाश्री के पावन सान्निध्य में प्रभु भक्ति कार्यक्रम रविवार को स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के सभा भवन में आयोजित किया गया। वासक्षेप, केसरिया दूध, सुगन्धित औषधि युक्त जल, केसर की धारा, पंचामृत सर्व औषधी मिश्रित जलधारा द्वारा अभिषेक किया गया। प्रभु मस्तक पर अभिषेक धारा का अद्भुत नजारा देखने का सब को सौभाग्य मिला। साध्वीश्री परागप्रभा नें बताया अभिषेक से परमात्मा से आत्मीय जुड़ाव होता है। अभिषेक से जिनत्व के नजदीक आ सकते है। अभिषेक और पूजा द्वारा स्वयं को निर्मल बनाया जा सकता है। युवा संगीतकार हर्षित भाई शाह ने मधुर गानों से लोगों में भक्ति की बयार चलाई। परमात्मा के वर्धमान शक्रस्तव एवं अष्टोत्तरी अभिषेक का लाभ भगवंतीबेन भवरलालजी गाँधी मेहता परिवार ने लिया व अभिषेक की व्यवस्था गिरनारी ग्रुप ने की थी।

'संबंधों के बढ़ावे से विकास को गति मिलती है'

जीतो बेंगलूरू नॉर्थ के जेबीएन पायोनियर्स की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरू नॉर्थ के जेबीएन पायोनियर्स की एक उत्साहवर्धक बैठक का आयोजन हुआ। साझा बुद्धि के साथ विकास को प्रज्ज्वलित करने के उद्धेश्य से इस बैठक का आयोजन किया गया। ज्ञान का साझाकरण और सहयोग के माध्यम से अपने सदस्यों के बीच विकास और संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। नवकार स्मरण से प्रारंभ बैठक में पायोनियर्स अध्यक्ष देवेंद्र जैन ने सबका स्वागत करते हुए कहा कि मजबूत संबंधों के आधार वाले जेबीएन समूहों में आपसी सहयोग एवं रेफ़रलो के कारण संगठित विकास की गारंटी मिलती है।

बैठक का मुख्य आकर्षण अत्यधिक प्रभावी शिक्षा स्लॉट था, जिसे जेबीएन पायनियर्स के प्रतिष्ठित सदस्य आशीष भंसाली द्वारा प्रस्तुत किया गया था। कार्य-जीवन संतुलन पर उनकी प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया, जिससे पेशेवर और व्यक्तिगत क्षेत्रों के बीच संतुलन बनाए रखने पर मूल्यवान दृष्टिकोण देखने को मिला। बैठक में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के रौनक कुमट द्वारा 10 मिनट की प्रस्तुति भी दी गई जिसमें उन्होंने अपने व्यवसाय का एक व्यावहारिक अवलोकन, सफलता की कहानियां और विशिष्ट व्यावसायिक आवश्यकताओं को प्रदर्शित किया। सचिव प्रेक्षा कात्रेला ने जेबीएन पायनियर्स रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें रेफरल पास करने और समूह के भीतर सहयोग को बढ़ावा देने की उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रकाश डाला गया।

जेबीएन के संयोजक और जीतो बेंगलूरू नॉर्थ के सचिव प्रमोद बाफना ने एक प्रेरणादायक टिप्पणी साझा करते हुए कहा कि ज्ञान साझा करने और विकास की यात्रा में, हर बैठक एक मील का पत्थर है जो सामूहिक सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है और जेबीएन पायनियर्स अटूट उत्साह के साथ इस पथ को रोशन करने के लिए अग्रसर है। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार पायोनियर्स की स्थापना से अब तक 703 रेफरल के माध्यम से लगभग 5.34 करोड़ का आपसी व्यापार अब तक हो चुका है जो लगातार समृद्ध हो रहे जेबीएन पायोनियर्स की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बैठक एकता और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक राष्ट्रगान के देशभक्ति पूर्ण स्वर में संपन्न हुई।

प्रभु की आराधना से सभी मनोवांछित कार्य पूरे हो जाते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां महालक्ष्मी लेआउट के चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री गोयमरत्नाश्रीजी, एवं साध्वी श्री परमप्रज्ञाश्रीजी म. सा. की पावनतम निश्रा में रविवार को 108 पार्श्वनाथ भगवान का महापूजन का आयोजन किया गया।

साध्वीजी श्री तत्वत्रयाश्रीजी ने पुरुषादानी परमात्मा पार्श्वनाथ के बारे बताते हुए कहा कि पार्श्वनाथ भगवान की ममता, समता, क्षमता विश्व में प्रसिद्ध है महावीर स्वामी के शासन में भी पार्श्वनाथ भगवान के भक्त मौजूद हैं।

पार्श्वनाथ भगवान ने सबसे ज्यादा पाँच सौ कल्याणक एवं वीश स्थानक तप की आराधना की थी, इसलिए सबसे ज्यादा प्रभाव पार्श्वनाथ स्वामी का है साध्वीवर्या ने 108 पार्श्वनाथ महापूजन का महत्त्व बताते हुए कहा कि इस पूजन से प्रभु की सदैव कृपा बनी रहती है संपूर्ण कष्टों का निवारण हो जाता है घर, गांव, देश संसार का कल्याण होता है।

पार्श्वनाथ प्रभु की आराधना से बहुत जल्दी मनोवांछित काम पूरे हो जाते हैं। श्रद्धा और भक्ति में झूमते हुए श्रद्धालुओं ने सर्वप्रथम दिव्य मंत्रोच्चार के साथ दूध, जल, चंदन, अक्षत, गंध, फल, फूल आदि से परमात्मा की अष्ट प्रकारी पूजा सम्पन्न की। साध्वीवर्या ने दिव्य चमत्कारी मंत्रों का एवं स्तोत्रों का सामूहिक संगान करवाया तो माहौल भावविभोर हो उठा। संघ द्वारा 108 पार्श्वनाथ महापूजन का सामूहिक लाभ दिया गया पूजन में काफी श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। पूजन का सम्पूर्ण विधि विधान विपिन गुरुजी ने करवाया एवम संगीतकार सुनील भाई ने संगीत की मधुर लहरी से भक्ति का शमा बांधा। यह जानकारी जयंतिलाल श्री श्रीमाल ने दी।

गेमावत मुख्य संरक्षक एवं धारीवाल महामंत्री बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश के बीस राज्यों में अपनी बाँहें फैला चुका राष्ट्रीय पार्श्व भैरव भक्त परिवार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी शाखाएँ बढ़ाकर समाज सेवा में अग्रणीय संस्था की ओर अग्रसर है। स्थापना के तीसरे साल में कदम रखकर ठंड के मौसम में हज़ारों ज़रूरतमंदों को कंबल, विद्यार्थियों को ज़रूरी पाठ्य सामग्री आदि का वितरण किया है।

संगठन में बड़ा बदलाव के तहत आज परिवार के संस्थापक चेयरमैन डॉ विजयकुमार सुराना ने मुंबई निवासी नाकोडा तीर्थ के निकट पूर्व ट्रस्टी डॉ रणवीर गेमावत को परिवार के अंतरराष्ट्रीय मुख्य संरक्षक, बेंगलूरु निवासी अखिल भारत जैन कान्फ्रेंस के प्रसार प्रचार मंत्री, समाजसेवी गौतमचंद धारीवाल को भक्त परिवार के राष्ट्रीय महामंत्री एवं नाकोडा भक्त जैन संगीतकार प्रवीण नाकोडा को परिवार के राष्ट्रीय प्रसार प्रचार मंत्री पद पर मनोनीत कर उन्हें प्रमाण वचन दिलाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मोहनलाल मांडोत ने बताया के कार्यकारिणी के नये सदस्यों से सूझबूझ के साथ कार्य से देश विदेश में परिवार नई बुलंदियों को हासिल करेगा। ऑनलाइन कार्यक्रम में परिवार के उपाध्यक्ष विनोद साँखला, सह संस्थापक ट्रस्टी दिलखुश बाफणा एवं संगीता सुराना मौजूद रहे। सभी का आभार व्यक्त करते हुए संस्थापक चेयरमैन डॉ विजयकुमार सुराना ने कहा के अंतरराष्ट्रीय शाखाओं में अमेरिका, लंदन, यूएई एवं मलेशिया के कार्यकारिणी का पुनर्गठन का कार्य शीघ्र ही किए जाएंगे।

यशवंतपुर में तपस्वी का वरघोड़ा निकाला

कर्मों का क्षय होने पर ही मिलता है तपस्या का लाभ : साध्वी शीलप्रज्ञा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यशवंतपुर में कविता कंकुचोपड़ा के15 उपवास की तपस्या पूर्ण होने पर रविवार को यशवंतपुर में बैंड-बाजे के साथ वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़ा निवास स्थान से शुरू होकर सुमतिनाथ जैन मंदिर पहुंचा। कविता शंभूलाल कंकुचोपड़ा की पुत्रवधु व राकेश कंकुचोपड़ा की पत्नी हैं। सुमतिनाथ जैन मंदिर यशवंतपुर में विराजित साध्वी शीलप्रज्ञाश्री एवं साध्वी अक्षतरत्नाश्री ने धर्म सभा में तपस्या का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि अनंत भवों के कर्मो के क्षय होने पर ही हमें तपस्या करने का इस मनुष्य जन्म में योग प्राप्त होता है। साध्वी शीालप्रज्ञाश्री भी स्वयं सांसारिक कंकुंचोपड़ा परिवार की बेटी हैं। यहां पर उपस्थित सुमतिनाथ जैन मंदिर के ट्रस्टी मूलचंद कटारिया,जवेरचंद कंकुंचोपड़ा, विजयराज मेहता, प्रशांत वर्धन, अध्यक्ष किशोरकुमार ओस्तवाल, उपाध्यक्ष राकेश कंकुचोपड़ा, सचिव पवनकुमार नाहर के समक्ष कविता का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्हें शॉल ओढ़ाया गया और माल्यार्पण किया। इसी उपलक्ष में कंकु चोपड़ा भाइपा परिवार के सचिव डूंगरमल कंकुचोपड़ा एवं सहसचिव ताराचंद कंकुंचोपड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बहन कविता से अनुरोध किया कि आपके शारीरिक अनुकूलता हो तो आप आगे भी तपस्या करने के उत्तम भाव रखें। इस अवसर पर संघ की ओर से डूंगरमल कंकुचोपड़ा व ताराचंद कंकुंचोपड़ा ने तपस्वी का सम्मान किया। अंत में तेरापंथ सभा भवन यशवंतपुर में कविता चोपड़ा के पारणा अवसर पर समाज के अनेक लोग उपस्थित थे।

'पार्श्वनाथ की भक्ति से होता है दुखों का नाश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जेपीपी समणी सेन्टर में आयोजित चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी म. सा. ने मंगलकारी सर्वविघ्ननिवारक 23वें तीर्थंकर श्री पारसनाथ परमात्मा का अनुष्ठान करवाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अरिहंत परमात्मा की भक्ति करने से सब दुखों का नाश होता है। अष्ट प्रकारी पूजा के विषय में उन्होंने समझाया कि अरिहंत परमात्मा सब दुख से मुक्ति देते हैं। सर्व दोषों का निवारण करते हैं। प्रभु सर्वगुण सम्पन्न हैं। अनंत गुणों के भंडार हैं उनकी भक्ति करने से हमारे अंदर की सभी कमियों एवं दोषों का निवारण हो जाता है। परमात्मा की भक्त करने से सभी पाप दूर होते हैं। परमात्मा पारसनाथजी की महिला अपरम्पार है उनकी महिमा तीनों लोक में व्याप्त है। पारसनाथ परमात्मा भी पूर्व भव में देवता थे। तब उन्होंने अरिहंत परमात्मा की भक्ति की थी। 500 कल्याणक की उजवानी की थी। इसलिए पारसनाथ प्रभु की महिमा उनका नाम और उनकी कीर्ति चारों तरफ फैली है। पार्श्वनाथ भगवान के 108 से भी अधिक नाम है। उनकी आराधना साधना करने से उनके नाम का स्मरण करने से हमारे पाप दूर होते हैं । अनुष्ठान के लाभार्थी परिवार संघवी माणकचंद मंगलचंद आच्छा परिवार रहे। सतीकरं तप की पूर्णाहुति हुई। कार्यक्रम में घर-घर अठाई, हर घर अठाई में बहुत सारे नाम प्राप्त हुए।

वासुपूज्य स्वामी जैन सेवा मंडल ने दिया 'वस्त्र भंडार योजना' में सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंदों को पहनने के परिधान उपलब्ध कराने के लिए नीति 'वस्त्र भंडार योजना' के अंतर्गत घर-घर से पहनने योग्य पुराने वस्त्र एकत्रित कर उन्हें जरूरतमंदों को मुहैय्या कराया जाता है। इस भगीरथ कार्य में हमें अनेक संघ संस्थाओं का भी अनुकरणीय सहयोग प्राप्त हो रहा है।

ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने इसी क्रम में अक्कीपेट क्षेत्र में सक्रिय श्री वासुपूज्य स्वामी जैन सेवा मंडल के सदस्यों ने हमारी इस योजना का प्रचार प्रसार कर करीबन 3567 जोड़े वस्त्र एकत्रित करने के अद्भुत कार्य को अंजाम तक पहुंचाया है। ट्रस्ट के कांतिलाल नागोत्रा सोलंकी, नरपत लुंकड़ एवं मंडल के अध्यक्ष पदमराज मुथा, मंत्री ललित कश्यप, विनोद मेहता,सुकनराज फ़ागणिया, जगदीश छाजेड़, विजयराज गांधी, राजेश नानेशा, निहाल मेहता, अनित सुकलेसा, अशोक आर, मुन्नीलाल पारेख, आदि अनेक मंडल के सदस्यो ने वस्त्र एकित्रत करने का सफल कार्य कर दिखाया है।

राजस्थान संघ के चेयरमैन अशोक चोपड़ा, अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, प्रोजेक्ट चेयरमैन सुरेश धोका, सलाहकार अनिल संकलेचा ने वासुपूज्य स्वामी जैन सेवा मंडल के इस अनुकरणीय योगदान के लिए सभी सदस्यों का सम्मान किया गया।

रियायती दर पर लिपिड प्रोफाइल जांच शिविर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां राजाजीनगर के तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत 76वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में रियायती दर पर लिपिड प्रोफाइल टेस्ट शिविर का आयोजन रविवार को किया गया।

शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। लिपिड प्रोफाइल में कुल 7 टेस्ट समावेश किये गए जिसमें कुल कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स, एचडीएल, वीएलडीएल कोलेस्ट्रॉल, निम्न घनत्व वसा कोलेस्ट्रोल, कुल चोल/एचडीएल चोल अनुपात, एलडीएल : एचडीएल अनुपात जैसे विभिन्न प्रकार के कोलेस्ट्रोल टेस्ट किये गए। इस शिविर से कुल 87 सदस्य लाभान्वित हुए। सभी सदस्यों को एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं से अवगत करवाया गया। स्थानीय लोगों ने इस उपक्रम की खूब खूब सराहना की एवं समय-समय पर विशेष अवसरों पर शिविर लगाना हेतु धन्यवाद व्यक्त किया। स्व.सुखराज हिंगड की स्मृति में धर्मपत्नी सूरज देवी हिंगड टीकमचंद नवीन ऋषभ हिंगड परिवार ने प्रायोजक बनकर अर्थ सहयोग दिया। शिविर को व्यवस्थित आयोजन करने में तेयुप निवर्तमान अध्यक्ष अरविंद गन्ना, अध्यक्ष कमलेश गन्ना, कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, मुकेश भंडारी, हरिशजी पोरवाड़ एवं अभिषेक पीपाड़ा का विशेष सहयोग रहा। एटीडीसी स्टाफ पवन, स्मिता एवं दीपाश्री का विशेष श्रम नियोजित हुआ।

नवरात्रि महोत्सव की तैयारियों के लिए बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । यहां सुराणा संघ रजि. एवं श्रीमती भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आगामी आसोज मास के नवरात्रि महोत्सव की तैयारियों हेतु एक बैठक गोडवाड़ भवन के मुछाला महावीर सभागार में सम्पन्न हुई। संघ के महामंत्री भीमराज सुराणा ने जानकारी देते हुए बताया कि संघ के अध्यक्ष महीपाल सुराणा ने सभी का स्वागत करते हुए 15 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहे महोत्सव की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अष्टमी 22अक्टूबर को प्रातः नारायण हृदयालय से माताजी धाम तक पैदल यात्रा का आयोजन किया गया है तथा उसी दिन सायं विराट भक्ति संध्या का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रसिद्ध गायिका खुशबू कुंभट जोधपुर भक्ति के रंग में सराबोर करेगी। बैठक में भक्ति संध्या के मुख्य प्रायोजक के रुप में बी. सोहनलाल नितिन सुराणा पीपाड़ सिटी तथा पैदल यात्रा के लाभार्थी के रुप में छीतरमल रतनलाल सुराणा गोविंदगढ़ के नामों की भी घोषणा हुई। सभा में संस्थापक अध्यक्ष रिखबचंद सुराणा, द्वि उपाध्यक्ष सोहनलाल सुराणा व डालमचंद सुराणा, सहमंत्री राजेश सुराणा, सह कोषाध्यक्ष प्रकाश सुराणा, प्रचार मंत्री देवराज सुराणा सहित समिति सदस्य उपस्थित थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com